

तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शुक्रवार 06 नवंबर 2026 ■ कार्तिक कृष्ण पक्ष-12 ■ वर्ष -42 ■ अंक-218 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 07 नवंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये



गद्दा फैक्ट्री में आग,लाखों का नुकसान

भिलाई,6 नवंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

एक गद्दा बनाने की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई आग की सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की 3 से 4 गाड़ियां आग बुझाने की कोशिश कर रही है आग बुझाने में जुटी फायर ब्रिगेड की टीमजामुल थाना क्षेत्र के करुणा अस्पताल के पीछे स्थित जगदंबा गद्दा और फोम से बने फर्नीचर बनाने वाली फैक्ट्री में सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया देखते देखते आग ने भीषण रूप ले लिया. आग की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी गई. आग बुझाने के लिए जिला दमकल विभाग, बीएसपी के दमकल और जामुल से दमकल गाड़िया बुलाई गई है. कर्मचारी आग बुझाने में जुटे हुए हैं लेकिन कई घंटे बीतने के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है आग बुझाने के लिए फायर की टीम को कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा रहा है. आग बुझाने के लिए फैक्ट्री के पीछे की दीवार को तोड़कर भी आग पर काबू करने का प्रयाय किया जा रहा है जामुल पुलिस ने बताया कि जगदंबा गद्दा और फोम फैक्ट्री में आग लगने की सूचना



मिली.पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची.3 से 4 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई है जल्द ही आग पर कंट्रोल कर लिया जाएगा. नुकसान का आकलन अभी नहीं हो पाया है. फोम का गद्दा बनाने का काम किया जा रहा था भारी नुकसान की आशंका इस घटना से फैक्ट्री के अंदर रखा माल, 2 से 3 फोर व्हीलर आग की चपेट में आ गई है. आग से फैक्ट्री संचालक को लाखों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है. हालांकि नुकसान का अभी आकलन नहीं हो सका है आग लगने का कारण भी पता नहीं चल पाया है. आग बुझने के बाद पूरा मामला स्पष्ट होगा

करंट की चपेट में आकर पिता-पुत्र की मौत

मां की हालत गंभीर, बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर



बलौदाबाजार,6 नवंबर। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में धनतेरस के दिन एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है, जहां हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आने से पिता और पुत्र की मौत हो गई है। वहीं मां की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, नेहरू चौक में घर के बाहर से हाईटेंशन बिजली लाइन गुजर रही है। यह तार घर से महज पांच फीट की दूरी पर है। बताया जा रहा है कि राकेश गुप्ता पहले करंट की चपेट में आए, जिन्हें बचाने के चक्कर में पत्नी वर्षा और बेटा ईशान भी करंट की चपेट में आ गए। इस घटना में पिता-पुत्र की मौत हो गई और महिला गंभीर रूप से झुलस गई। घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को तत्काल जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं घर के बाहर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

सड़क हादसे में दो की मौत

बेमेतरा,6 नवंबर। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में धनतेरस की सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। बेमेतरा-कवर्धा मार्ग पर सतनाम चौक के पास तेज रफ्तार कार ने दो अन्य कारों और एक ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला और एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना सुबह करीब 3:30 से 4 बजे के बीच हुई। बताया जा रहा है कि एक परिवार गिरौदपुरी धाम से दर्शन कर वापस लौट रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उनकी गाड़ी समेत अन्य वाहनों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक मकान की दीवार से जा भिड़ी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मृत युवक की पहचान बेमेतरा निवासी लक्की देशलहरे के रूप में हुई है। वहीं, मृत महिला ग्राम सोड़ की निवासी बताई जा रही है। हादसे में चार अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर पर केंद्र सरकार की अर्जी खारिज

नई दिल्ली,6 नवंबर। ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर पर केंद्र सरकार की अर्जी सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो गई है। केंद्र सरकार ने कोर्ट के फैसले को लागू करने में छूट मांगी थी। कोर्ट ने फैसले में कहा था कि क्रीमी लेयर तय करते समय माता-पिता की आमदनी देखना काफी नहीं है। उनका पद और सामाजिक स्थिति को भी देखा जाना चाहिए। केंद्र ने अचानक इसे लागू करने से जटिलता बढ़ने का हवाला देते हुए UPSC सिविल सेवा परीक्षा 2025 और 2026 के लिए छूट की मांग की थी। हालांकि देश के शीर्ष न्यायालय ने केंद्र सरकार की अर्जी खारिज कर दी है। केंद्र सरकार ने अगस्त महीने में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर फैसले पर स्पष्टीकरण की मांग की थी। केंद्र का तर्क था कि फैसले को तुरंत लागू करने से कई प्रशासनिक परेशानियां पैदा हो सकती हैं। सिविल सेवा परीक्षा 2025 के कैडर और सेवाओं का आवंटन, प्रशिक्षण और दूसरी प्रशासनिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। कोर्ट ने सरकार के 2004 के उस आदेश को गलत माना था, जिसमें वेतन से आय के आधार पर PSU, बैंक और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के बच्चों को क्रीमी लेयर या नॉन क्रीमी लेयर में नियम लागू किया गया था। इसी आदेश में सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को इस नियम से अलग रखा गया था। उनके लिए व्यवस्था थी कि उनके पद के आधार पर उनके बच्चों की श्रेणी तय की जाएगी। कोर्ट ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 में दिए समानता के अधिकार के खिलाफ माना था। बता दें कि 2016 के बाद केंद्र सरकार, रेलवे, बैंक, अर्धसैनिक बलों और विश्वविद्यालयों में करीब 3 लाख 70 हज़ार ओबीसी नियुक्तियां हुई हैं। अगर फैसले को पिछली तारीख से लागू किया गया तो बड़ी संख्या में नए विवाद और मुकदमे हो सकते हैं।

बेटे की अभिरक्षा पिता को देने से हाईकोर्ट का इंकार, मुलाकात की अनुमति

बिलासपुर, 6 नवंबर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सात वर्षीय बेटे की अभिरक्षा मांगने वाले पिता की अपील खारिज करते हुए बच्चे को मां के पास ही रखने का फैसला बरकरार रखा है। हालांकि, कोर्ट ने पिता को बेटे से मिलने की अनुमति दी है। इसके लिए उन्हें पहले मां को सूचना देकर समय और स्थान पर उनकी सहमति लेनी होगी। जस्टिस सुषमा सावंत की पीठ ने बलौदाबाजार निवासी पिता की अपील पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। पिता ने पारिवारिक न्यायालय के 27 अगस्त 2024 के फैसले को चुनौती दी थी। उनका विवाह 28 अप्रैल 2015 को हुआ था और 7 फरवरी 2022 को तलाक हो गया था। वर्तमान में बेटा मां के साथ रह रहा है। पेशे से शिक्षक पिता ने बेहतर शिक्षा और देखभाल का हवाला देकर बेटे की अभिरक्षा मांगी थी। वहीं, मां ने कहा कि वह बच्चे की पढ़ाई और परवरिश ठीक से कर रही हैं।



हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चे की अभिरक्षा तय करने में माता-पिता के अधिकारों से अधिक उसका कल्याण महत्वपूर्ण है। मां द्वारा स्कूल फीस की रसीदें पेश करने और बच्चे का पिता से भावनात्मक जुड़ाव नहीं होने को भी कोर्ट ने महत्वपूर्ण माना। कोर्ट ने पिता को सार्वजनिक स्थान पर मुलाकात का अनुरोध करने की अनुमति दी और मां से बच्चे के हित में इस पर सद्भावनापूर्वक विचार करने की अपेक्षा की।

दिवाली पर 'गिफ्ट लेनदेन' भी प्रदूषण की एक वजह

नई दिल्ली,6 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में बढ़ते पलूशन पर चिंता जताते हुगए कहा है कि लोगों को इस मुद्दे पर और ज्यादा जागरूक होने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा है कि केवल पाबंदिया लगा देने भर से इस समस्या का समाधान नहीं होने वाला बल्कि इससे नियमों का उल्लंघन और बढ़ सकता है। दिल्ली एनसीआर में सर्दियों के समय अक्सर प्रदूषण से लोगों का हाल बेहाल होता है। खासकर दिवाली के बाद ये समस्या और बदतर हो जाती है। कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कहा कि त्योहार मनाते वक्त पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी होना चाहिए।कोर्ट ने दिवाली के समय गिफ्ट देने की परंपरा को भी प्रदूषण बढ़ने का एक अहम कारण बताया है। कोर्ट ने कहा है कि लोग गिफ्ट्स देने के लिए गाड़ियों से इधर-उधर जाते हैं जिससे प्रदूषण बढ़ता है। चीफ जस्टिस (CJI) सूर्य कांत ने कहा कि अमीरों ने दिवाली पर उपहार देने की परंपरा को एक सामाजिक और स्टेटस सिंबल बना दिया है। चीफ जस्टिस ने सवाल किया, हम अपनी पुरानी परंपराओं की ओर क्यों नहीं लौटते? जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि यह मुद्दा त्योहारों के कमर्शियलाइजेशन से भी जुड़ा है। ये बातें दिवाली के आसपास बढ़ते प्रदूषण पर चर्चा के दौरान सामने आईं। केंद्र सरकार के वकील ने बताया कि त्योहार और सड़कों पर लोगों की आवाजाही के कारण प्रदूषण का स्तर और बढ़ गया है। कोर्ट ने कहा, कोई भी पाबंदी काम नहीं आएगी। हम जितने ज्यादा आदेश जारी करेंगे, नियमों का उल्लंघन उतना ही बढ़ेगा। कोर्ट ने व्यवहार में बदलाव लाने और प्रदूषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया।

सीजेआई ने प्रदूषण संकट के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को जिम्मेदार ठहराने के खिलाफ भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि दिवाली का समय उन लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है, जिनकी आजीविका मौसमी काम और त्योहारों पर निर्भर है। CJI ने टिप्पणी की, "गरीब लोग प्रदूषण नहीं फैलाते। बल्कि, वे खुद इसके शिकार होते हैं। प्रदूषण तो वे लोग फैलाते हैं जो इसका खर्च उठा सकते हैं और जो इसमें योगदान देते हैं।"

सोमनाथ से सुको ने नहीं हटाया नॉन-वेज बैन

मुंबई,6 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर के आसपास मौजूद मांसाहारी भोजनालयों पर लगी रोक को हटाने से इनकार कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और पीबी वराले की बेंच ने गुजरात हाई कोर्ट की ओर से जारी अंतरिम आदेश में हस्तक्षेप से इनकार किया। हाई कोर्ट ने सोमनाथ मंदिर के आसपास मांसाहारी खाना तैयार करने, बिक्री या भंडारण करने पर तत्काल रोक लगाई है। देश की सबसे बड़ी अदालत का दरवाजा खटखटाने वाले रेस्तरां मालिकों ने दलील दी कि इस फैसले से कारोबार खत्म हो जाएगा और देश के 80 फीसदी लोग मांस खाते हैं। अदालत ने कहा कि एक संतुलन बनाने की जरूरत है और इस चरण में कुछ नहीं कहा जाएगा। बेंच ने कहा, 'हमें सुंतलन बनाए रखने की आवश्यकता है। हम कुछ नहीं कह रहे हैं।' हालांकि, सर्वोच्च अदालत ने हाई कोर्ट से कहा कि जितनी जल्दी संभव हो इस मामले में अंतिम फैसला दे दिया जाए।

हाईकोर्ट को ईमेल भेजकर मुंबई में बम ब्लास्ट की धमकी

अमिताभ बच्चन का घर भी निशाने पर

मुंबई,6 नवंबर। बॉम्बे हाईकोर्ट को एक ईमेल भेजकर मुंबई के कुछ चर्चित जगहों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस मेल के बाद मुंबई में सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया है। धमकी भरे ईमेल में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज , वर्ली रेसकोर्स और बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के बंगले (जलसा) को उड़ाने की धमकी दी गई है। मुंबई पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने इस धमकी को गंभीरता से लिया है और ईमेल भेजने वाले का पता लगाने के लिए जांच कर रही हैं। इस धमकी के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट और बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुंबई पुलिस और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड की तैनाती कर दी गई है। पुलिस आसपास के इलाकों की जांच कर रही है। वहीं, मुंबई पुलिस के द्वारा महालक्ष्मी रेसकोर्स



में भी तलाशी ली गई। किसी भी जगह पर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। आपको बता दें कि हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर मुंबई में अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग की थी। फायरिंग की यह घटना 18 अक्टूबर को शाम करीब 7 बजे मुंबई के जुहू इलाके में हुई थी। पुलिस के मुताबिक, टाइगर श्रॉफ फुटबॉल क्लब में अभ्यास करने के बाद अपनी कार से निकल रहे थे। इसी दौरान उनकी कार पर कई गोलियां चलाई गईं। इस घटना में एक्टर को कोई चोट नहीं आई, लेकिन उनका ड्राइवर घायल हो गया था। इसके अलावा वहां मौजूद एक राहगीर को भी चोट लगी थी। घटना के अगले दिन 19 अक्टूबर को पुलिस ने मामला दर्ज किया था। जांच आगे बढ़ने के साथ मुंबई क्राइम ब्रांच ने आरोपियों की गिरफ्तारी शुरू की।इस मामले की जांच के दौरान पुलिस को इस बात की जानकारी लगी थी कि हमलावरों के निशाने पर अमिताब बच्चन भी थे। पुलिस ने बाद में उनके घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी थी।

जेल में बंद कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामगोपाल से मिले भूपेश बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शुक्रवार को जेल में बंद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल से मिलने पहुंचे। दोनों के बीच करीब 10 मिनट तक मुलाकात हुई। मुलाकात के बाद भूपेश बघेल जेल से बाहर आए और मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि वे कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि रामगोपाल अग्रवाल को गलत तरीके से जेल में बंद करके रखा गया है।

इसरो का बड़ा धमाका, स्वदेशी सैटेलाइट ने बढ़ाई ताकत !

बेंगलुरु,6 नवंबर। इसरो के नए सेटेलाइट एनवीएस03 के अपनी तय कक्षा में स्थापित होने से स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम नैविक मजबूत हुआ है। इससे जरूरी उपग्रहों की कमी दूर होगी और विदेशी जीपीएस पर निर्भरता कम होगी। इसका सीधा लाभ आम नागरिकों, परिवहन और सुरक्षा एजेंसियों को सटीक लोकेशन व टाइमिंग के रूप में मिलेगा।

भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब देश का अपना नेविगेशन सिस्टम नैविक फिर से मजबूत होने की दिशा में आगे बढ़ गया है। इसरो के नए सेटेलाइट एनवीएस03 ने अपनी तय कक्षा में जगह बना ली है। इसके साथ ही भारत का स्वदेशी नेविगेशन नेटवर्क फिर से कम से कम चार सेटेलाइटों की जरूरी क्षमता हासिल करने के करीब पहुंच गया है। इसका सीधा फायदा आम लोगों से लेकर सेना और सुरक्षा एजेंसियों तक को मिलेगा। अब भारत को लोकेशन और नेविगेशन जैसी जरूरी सेवाओं के लिए पूरी तरह अमेरिकी जीपीएस या दूसरे विदेशी सिस्टम पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। दरअसल भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने 30 अक्टूबर 2026 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी 18 रॉकेट के जरिए एनवीएस03 सेटेलाइट ल्च किया था।

लॉन्चिंग के बाद सेटेलाइट को शुरुआती ट्रांसफर ऑर्बिट में पहुंचाया गया। इसके बाद तीन चरणों में ऑर्बिट बढ़ाने की प्रक्रिया पूरी की गई। तीसरे और आखिरी मैन्यूअर के सफल होने के बाद एनवीएस03 को 111.75° पूर्वी देशांतर पर उसकी निर्धारित जियोसिंक्रोनस कक्षा में स्थापित कर दिया गया। आपको बता दें नैविक का पूरा नाम नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन है। इसे भारत का अपना जीपीएस भी कहा जाता है। जिस तरह अमेरिका का जीपीएस सेटेलाइट के जरिए मोबाइल और दूसरी डिवाइस को लोकेशन बताता है। उसी तरह नैविक भी भारत को अपनी नेविगेशन और टाइमिंग सेवाएं देता है। इसकी मदद से भारत के पूरे क्षेत्र और देश की सीमाओं से करीब 10,500 किमी आगे तक लोकेशन, रास्ते और सटीक समय की जानकारी मिल सकती है। इसका इस्तेमाल मोबाइल फोन, गाड़ियों, जहाजों, ट्रेनों और दूसरे नेविगेशन उपकरणों में किया जा सकता है। पिछले कुछ समय से नैविक सिस्टम की क्षमता प्रभावित हो रही थी। इसकी वजह पुराने सेटेलाइटों में लगे एटॉमिक क्लॉक की खराबी और कुछ सेटेलाइटों का निर्धारित समय पूरा होना था। इसके अलावा



एनवीएस 02 सेटेलाइट भी तकनीकी समस्या के कारण अपनी तय कक्षा में नहीं पहुंच पाया था। ऐसे में नेविक के पास स्वतंत्र पोजीशनिंग सेवाओं के लिए जरूरी चार सक्रिय सेटेलाइटों की संख्या पूरी नहीं थी। एनवीएस03 की सफलता से इस कमी को दूर करने में मदद मिलेगी। एनवीएस03 की सबसे बड़ी खासियत इसमें लगा स्वदेशी रूबिडियम एटॉमिक क्लॉक है। यह बेहद सटीक समय बताने का काम करता है। सेटेलाइट नेविगेशन सिस्टम में समय की सटीकता बहुत जरूरी होती है क्योंकि इसी के आधार पर किसी व्यक्ति या वाहन की लोकेशन तय की जाती है। इसके अलावा एनवीएस03 में एल एक फ्रीक्वेंसी बैंड की सुविधा भी दी गई है। इससे आम स्मार्टफोन और नेविगेशन डिवाइस के लिए नेवीसी के सिग्नल इस्तेमाल करना आसान होगा।

हरमीत ढिल्लों ने अमेरिकी न्याय विभाग से दिया इस्तीफा

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी वकील हरमीत ढिल्लों ने अमेरिकी न्याय विभाग में नागरिक अधिकार प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मध्यावधि चुनाव से कई हफ्ते पहले ही छोड़ने का फैसला कर लिया था और व्हाइट हाउस के अनुरोध पर अपनी विदाई को टाल दिया था। चंडीगढ़ में जन्मी वकील के जाने पर प्रशासन की ओर से तारीफ हुई, जबकि डेमोक्रेट्स और पूर्व न्याय विभाग कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक समूह ने आलोचना की।

'मौत भी मंजूर, लेकिन वतन लौटूंगी': शेख हसीना

ढाका,6 नवंबर। 5 अगस्त 2024 में तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में रह रहीं हैं। हालांकि शेख हसीना ने दिसंबर में भारत से स्वदेश लौटने का इरादा दोहराया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने साफ कहा है कि वे अगले महीने दिसंबर में भारत से अपने देश वापस लौटेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह फैसला नहीं बदला है। उन्होंने गिरफ्तारी, जेल, प्रताड़ना और मौत के खतरे के बावजूद वापसी का फैसला बरकरार रखा है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि वह दिसंबर महीने में वापस वतन लौटेंगी। ईमेल इंटरव्यू में शेख हसीना ने कहा कि भले ही उन्हें मौत की सजा हो और जाने पर गिरफ्तारी, जेल या मौत की भी संभावना हो, वह दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी। उनका फैसला नहीं बदलेगा। उन्होंने भारत या दूसरे देशों से कूटनीतिक दखल की मांग करने से भी इनकार किया। शेख हसीना ने यह नहीं बताया कि वह भारत से वापस कैसे जाएंगी। उन्होंने कहा, "मुझे पता है कि लौटने पर मुझे गिरफ्तार किया जा सकता है। मुझे जेल हो सकती है, टॉर्चर किया जा सकता है या मार भी दिया जा सकता है।



मुझे इन संभावनाओं के बारे में पूरी तरह पता है, लेकिन मैं अपनी बाकी जिंदगी अपने लोगों को दूर से तकलीफ में देखकर नहीं बिता सकती। उन्होंने बताया कि मैं सभी देशों के साथ दोस्ती और सहयोग को महत्व देती हूं। यह हमेशा से हमारी (बांग्लादेश की) विदेश नीति रही है, लेकिन मुझे अपने देश लौटने के लिए किसी विदेशी ताकत के आशीर्वाद की जरूरत नहीं है।

दिवंगत विधायक कोर्सेवाड़ा की स्मृति में होगा अहिवारा कॉलेज का नामकरण : मुख्यमंत्री

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 6 नवम्बर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भिलाई-3 स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय पहुंचकर अहिवारा के दिवंगत विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान को याद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अहिवारा स्थित शासकीय महाविद्यालय का नामकरण स्वर्गीय डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के नाम पर किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा का निधन छत्तीसगढ़ के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रदेश के विकास और अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा याद किए जाएंगे। उनके सरल, मृदुभाषी और मिलनसार व्यक्तित्व ने उन्हें समाज के



बीच अलग पहचान दिलाई थी। लोग उन्हें उनके नाम से अधिक गुरुजी के नाम से जानते थे। मुख्यमंत्री ने उनसे जुड़े आत्मीय प्रसंग को साझा करते हुए बताया कि जब कोर्सेवाड़ा हैदराबाद में उपचार के लिए भर्ती थे, तब उन्होंने स्वयं फोन कर उनका हालचाल जाना था। साथ ही स्वास्थ्य मंत्री गुरु खुशवंत साहब को भी हैदराबाद जाकर उनकी कुशलक्षेम जानने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति के विकास, सामाजिक उत्थान और सशक्तिकरण के लिए गुरुजी का योगदान ऐतिहासिक रहा है। उनके विचार और कार्य आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि समाज और प्रदेश के विकास में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। श्रद्धांजलि सभा को स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि मंत्री गजेन्द्र यादव, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहब, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल और जगदलपुर विधायक किरण देव ने भी संबोधित किया। सभी ने स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर, जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी और प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों से पहुंचे बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बीएसपी के कर्मचारियों को मिला कर्म शिरोमणि पुरस्कार



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 6 नवम्बर । सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के टीएंडडी विभाग में आयोजित समारोह में उत्कृष्ट कार्य और सुरक्षा मानदंडों के पालन के लिए चार कर्मचारियों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वालों में ब्लास्ट फर्नेस स्टेशन के घनश्याम प्रसाद, भुवाल राम गणवारे और शिव बिलास तथा ओपन हर्थ स्टेशन के सुरेश कुमार साहू शामिल हैं। उन्हें उपहार एवं प्रमाण पत्र के साथ उनके जीवन साथियों को प्रशंसा पत्र भी प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी गोपीनाथ मलिक ने कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करना सराहनीय है। उन्होंने अन्य कर्मचारियों को भी बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। संचालन सहायक प्रबंधक डॉ. उपेंद्र कुमार शर्मा ने किया।

एक नजर

बुजुर्ग पर चाकू से जानलेवा हमला

भिलाई, 6 नवम्बर (तछसं)। भिलाई मोबाइल लूटने की कोशिश के दौरान एक बुजुर्ग पर चाकू से जानलेवा हमला कर भाग गए बुजुर्ग अपने घर सेक्टर-2 में सड़क पर टहलने रहे थे बदमाश ने उनसे मोबाइल मांगा इनकार करने पर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए उनके गले पर किसी ठोस एवं नुकीली वस्तु से हमला कर दिया अचानक हुए हमले से बुजुर्ग लहूलुहान हो गए आरोपी भाग गए भट्ठी पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग रोजाना की तरह टहलने के लिए निकले थे इसी दौरान सेक्टर-2 में एक अज्ञात युवक उनके पास पहुंचा उसने बुजुर्ग से मोबाइल देने को कहा मोबाइल देने से मना करने पर युवक आक्रामक हो गया पहले उसने बुजुर्ग के साथ गाली-गलौज की और फिर उन्हें जान से मारने की धमकी दी इसके बाद चाकू से उनके गले पर वार कर दिया हमले में उनके गले पर गंभीर चोट आई और खून बहने लगा लहुलूहान स्थिति में वह घर पहुंचे घायल बुजुर्ग की हालत देखकर परिजनों में हड़कंप मच गया सेक्टर-2 में रहने वाले लोगों को कहना है कि इस घटना ने टाउनशिप की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं जिस इलाके में लोग सुबह-शाम बेफिर होकर टहलने निकलते है, वहां इस तरह मोबाइल छीनने की कोशिश और विरोध करने पर जानलेवा हमला होना गंभीर चिंता का विषय है।



स्कूटी सवार की मौत

भिलाई, 6 नवम्बर (तछसं)। भिलाई पुलगांव थाना क्षेत्र में शिवनाथ नदी ब्रिज से उतरते समय स्कूटी और बाइक चालक आमने सामने भिड़ गए इस हादसे में स्कूटी सवार की मौत हो गई पुलगांव पुलिस ने बताया कि शिनाथ नदी ब्रिज से उतरते समय स्कूटर सवार युवराज ढीमर अपने साइड से जा रहा था उधर से बाइक सवार दूध वाला गलत दिशा से तेज लापरवाही पूर्वक चलाते हुए पहुंचा उसकी स्कूटी से सीधे टकरा गया स्कूटी चालक युवराज को गंभीर चोट आई उसे घायल अवस्था में अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ धारा 106(1), 184 मोटर व्हीकल अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की।

छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 11 सहबद्ध स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

धमतरी, 6 नवंबर । छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देखरेख क्षेत्र के 11 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ हो गया है। इनमें तीन डिप्लोमा और आठ स्नातक पाठ्यक्रम शामिल हैं। प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए अभ्यर्थी आधिकारिक डिप्लोमा स्तर पर एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, डायलिसिस टेक्नोलॉजी तथा मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रम शामिल हैं। स्नातक स्तर पर बैचलर ऑफ फिजिशियन एसोसिएट्स, बैचलर ऑफ साइंस हेल्थ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ रेडिएशन थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर्स ऑफ डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री तथा बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी साइंस शामिल हैं।इनके माध्यम से विद्यार्थी चिकित्सा सेवाओं से जुड़े विभिन्न तकनीकी कार्यक्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

प्रमुख कार्यक्षेत्रों में रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग, चिकित्सा प्रयोगशाला, एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर, डायलिसिस तथा ऑप्टोमेट्री शामिल हैं।रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग का कार्यक्षेत्र एक्स-रे, सीटी और एमआरआई जाँच सेवाओं से जुडे क्षेत्र में रोजगार के द्वार खुलेंगे है। चिकित्सा प्रयोगशाला का कार्यक्षेत्र पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं, रक्त बैंकों और शोध प्रयोगशालाओं तक विस्तृत है। इसी प्रकार एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर से संबंधित भूमिकाएँ शल्य कक्ष, गहन चिकित्सा इकाई और आपातकालीन विभाग में होती हैं।

दीपावली और छठ पूजा पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेलवे की विशेष तैयारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 6 नवम्बर । दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रायपुर रेल मंडल ने 5 से 14 नवंबर तक विशेष भीड़ प्रबंधन योजना लागू की है। इसके तहत दुर्ग, भिलाई पावर हाउस और रायपुर रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा एवं यात्री सुविधाओं को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दुर्ग और भिलाई पावर हाउस स्टेशनों पर अतिरिक्त आरपीएफ जवानों के साथ टिकट जांच कर्मचारियों की तैनाती की गई है। रायपुर रेलवे स्टेशन पर करीब 4200 वर्गफीट क्षेत्र में होल्डिंग एरिया तैयार किया गया है, जहां एक साथ लगभग 400 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। वहीं, दुर्ग स्टेशन के मल्टीफंक्शनल कॉम्प्लेक्स का उपयोग भीड़ बढ़ने की स्थिति में होल्डिंग एरिया के रूप में किया जाएगा। तीनों स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के



लिए कुल 109 आरपीएफ जवानों की तैनाती की गई है। इसके अलावा 153 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से स्टेशन परिसर की लगातार निगरानी की जाएगी। भीड़ की स्थिति पर नजर रखने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे वार रूम भी सक्रिय रहेगा। आरपीएफ प्रभारी एसके सिन्हा ने बताया कि त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुरक्षा, सुगम आवाजाही और भीड़ को नियंत्रित करना प्राथमिकता है। इसके लिए अतिरिक्त बल की तैनाती के साथ सीसीटीवी निगरानी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। इधर, त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने दुर्ग से बरौनी, दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन तथा गोंदिया से पटना के बीच कुल 12 ट्रिप विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है। इन ट्रेनों के संचालन से त्योहारों पर घर जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त आवागमन सुविधा मिलेगी।

स्वास्थ्य शिविरों में 165 ग्रामीणों की जांच, मुफ्त दवाइयां भी बांटी



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 6 नवम्बर । बीएसपी के सीएसआर विभाग द्वारा दुर्ग जिले के चार गांवों कुर्मीगुंडरा, अछोटी, अरसनारा और जंजगीरी में निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में कुल 165 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। इनमें 113 महिलाएं और 52 पुरुष शामिल रहे। कुर्मीगुंडरा में 52, अछोटी में 28, अरसनारा में 40 और जंजगीरी में 45 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लिया। बीएसपी के चिकित्सकों, फार्मासिस्ट और नर्सिंग स्टाफ ने ग्रामीणों की जांच कर आवश्यक उपचार संबंधी सलाह दी। जिला चिकित्सालय की सीएचओ टीम ने भी शिविरों में सहयोग किया।

धनोरा में आज लक्ष्मी माता का आगमन



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 6 नवंबर। बजरंग पारा धनोरा बाबा दरबार के पास सांस्कृतिक मंच पर 13 साल से मां लक्ष्मी की मुरती स्थापित करते आरहे है धनतेरस के दिन माता लक्ष्मी का आगमन एवं स्थापना किया जाएगा विद्वान पंडित द्वारा एवं हर रोज सुबह शाम माता रानी की आरती तत पस्चात प्रसाद वितरण दरबार के श्री लक्ष्मण बाबा जी ने बताया कि हर साल यहां पर मां लक्ष्मी की मुरती स्थापित किया जाता है लक्ष्मी पुजा के रोज सुबह से रात्रि तक गांव भरके लोग आते हैं और मां लक्ष्मी की पुजा अर्चना करते हैं और हार फुल मिठाई चढ़ते हैं और अपने परिवार की खुशहाली के लिए माता रानी से प्रार्थना करते हैं आगे बताया कि सोमवार धनतेरस के रोज शाम को स्थापना किया जाएगा एवं भाई दुज के रोज सुबह 11 बजे माता रानी की सोभा यात्रा निकाली जाएगी झांकी के साथ इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सेवा दे रहे हैं श्री बलराम बबलू साहू जी दुरगेनद साहू लक्की पटेल भुपेंद्र साहू लक्ष्मण साहू हीरामणि साहू रमण लल्लू साहू खोमू यादव शिवम सपरे अजय साहू जीतिन साहू भोलू खिलेशवर साहू महेंद्र पटेल मुकुल पटेल गितेश पटेल मारियल साहू देवेन्द्र साहू रामेशवर साहू दादू साहू तानू पटेल कुंज लाल पटेल शिव साहू आदि भक्त गण बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं यह जानकारी लक्ष्मी समिति के अध्यक्ष बलराम बबलू साहू जी ने दी

युवाओं को आधुनिक तकनीकी शिक्षा से जोड़ने की पहल 400 विद्यार्थियों ने दी निःशुल्क छात्रवृत्ति परीक्षा

धमतरी, 6 नवंबर । युवाओं को आधुनिक तकनीक, डिजिटल कौशल और भविष्य की रोजगारपरक संभावनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में धमतरी जिले के विद्यार्थियों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की पहल की गई है। इस पहल के तहत नगर पालिक निगम धमतरी के सहयोग से संचालित पीआईवीओटी एआई प्रशिक्षण केंद्र में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें जिले के 400 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बाजारों में खरीदारी की भीड़,निगम प्रशासन अलर्ट अतिक्रमण करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

दुर्ग, 6 नवंबर। नगर पालिक निगम, दीपावली पर्व के मद्देनजर शहर के प्रमुख बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ बढ़ने लगी है। बाजार क्षेत्र में सुगम आवागमन एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से महापौर अलका बाघमार एवं निगम आयुक्त लीना कोसम के निर्देश पर अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर,बाजार अधिकारी अभिदय मिश्रा के अलावा सिटी कोतवाली थाना की टीम द्वारा इंदिरा मार्केट सहित स्टेशन रोड,फरिश्ता कम्प्लेक्स,इंदिरा गांधी प्रतिमा आसपास में अतिक्रमण के विरुद्ध निरीक्षण कर समझाइस दी गई।

इसी क्रम में निगम की टीम ने इंदिरा मार्केट, मोती कम्प्लेक्स, पुराना बस स्टैंड,फूल चौक,मान होटल,प्रेस कम्प्लेक्स एवं आसपास के व्यस्त बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण कर सड़क एवं फुटपाथ पर सामान फैलाकर व्यवसाय करने वाले दुकानदारों को समझाइश दी। दुकानदारों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित सीमा के भीतर ही अपना व्यवसाय करें तथा सड़क एवं आवागमन के रास्तों पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न करें। बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण की स्थिति को चिन्हित करने के लिए मार्किंग की गई है, ताकि त्योहार के दौरान यातायात व्यवस्था बाधित न हो।निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समझाइश के बावजूद नियमों का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों के सड़क पर रखे सामानों की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

किराए वाहन को बेचने वाली गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 6 नवंबर। किराए पर वाहन लेकर उसे वापस करने के बजाय दूसरे को बेचने के मामले में सुपेला पुलिस ने आरोपी महिला विधि सोनी को राजनांदगांव से गिरफ्तार किया है आरोपी महिला ने एक पुरुष के साथ मिलकर कार को किराए पर लिया था इस के बाद वाहन वापस नहीं लौटाया सुपेला थाने पुलिस ने आरोपी महिला को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया सुपेला पुलिस ने बताया कि प्राथर्थी ने अपनी सफेद कार सीजी-07-डीडी-2040 फाइनेंस पर खरीदी थी उसने इस वाहन को किराए पर चलाने के लिए सुपेला स्थित ढिल्लन कॉम्प्लेक्स में रवि सेल्फ ड्राइव कार सर्विस के संचालक नयन सिंह को दिया था संचालक ने वाहन को किराए पर चलाने की व्यवस्था की थी। कार जब प्रार्थी को नजर नहीं आई, तो उसने ट्रेवल्स संचालक नयन सिंह से पूछा नयन ने बताया कि



17 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 3 बजे एक पुरुष और एक महिला उसकी कार किराए पर लेकर गए थे निर्धारित समय बीतने के बाद भी दोनों वाहन लेकर वापस नहीं लौटे इंतजार के बाद भी कार का कोई पता नहीं चलने पर प्रार्थी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई शिकायत में आरोप लगाया गया कि दोनों ने धोखाधड़ी कर विश्वास में लेकर वाहन हासिल किया और अमानत में खयानत की आरोपी महिला का पति भी जेल में बताया कि शिकायत पर धारा 316(3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने राजनांदगांव चिखली स्थित विधि साड़ी सेंटर निवासी आरोपी महिला विधि सोनी (25 साल) पति संजय कुमार नेताम के घर दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया आरोपी महिला का पति संजय कुमार नेताम बसंतपुर थाने के दूसरे प्रकरण में जेल में बंद है पुलिस उसे रिमांड पर लेकर मिलाई लाएगी महिला ने किया खुलासा पूछताछ में आरोपी विधि सोनी ने अपराध कबूल किया उसने खुलासा किया कि उसके साथ तीन-चार लोग हैं. जो इसी काम में लिप्त हैं कार बेचने के बाद उन लोगों ने उसे ही नजरबंद कर दिया था और धमकी दी थी कि किसी को जानकारी दी तो जान से मार देंगे हालांकि पुलिस इस मामले की तह तक जाने के लिए तफ्तीश कर रही है

कांकेर में कक्षा सजाओ प्रतियोगिता

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 6 नवंबर। दीपावली पर्व के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़पिछवाड़ी कांकेर में कक्षा सजाओ प्रतियोगिता और दीपोत्सव का सुंदर आयोजन रखा गया।

इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक श्री अशोक राठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बड़े ही रोचक ढ़ंग से अपनी कक्षाओं की साज सज्जा की तथा दीप जलाकर अतिथियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक श्री अशोक राठी ने विद्यार्थियों की मेहनत, कल्पना और टीम भावना को सराहा। उन्होंने कहा कि दीपावली आप सभी के जीवन में सुख, शांति और अच्छे



संस्कार लेकर आये। प्राचार्य श्री भूपेंद्र तिवारी ने कहा कि हमे दीपावली के पर्व पर मिट्टी के दीये का उपयोग करना चाहिए। साथ ही पटाखे का उपयोग कम करना चाहिए। दीपावली पर्व पर स्वदेशी का भाव परिलक्षित होना चाहिए। वरिष्ठ आचार्य श्रीमती सविता यादव ने कहा कि दीपावली का पर्व भगवान् श्री राम के अयोध्या आगमन पर मनाया जाता है। यह दीपदान व अन्य तमाम धार्मिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। वरिष्ठ आचार्य श्रीमती उत्तरा नायक ने भी दीपावली पर्व पर अनेक विशिष्ट जानकारी विद्यार्थियों को दी। वरिष्ठ आचार्य श्री संतोष श्रीवास्तव सम ने अपनी कविता के माध्यम से कहा कि -यह दीप पर्व रौशन करता, हर घर, हर आंगन का कोना, दमके जैसे कोई सोना। कक्षा सजाओ प्रतियोगिता में कनिष्ट वर्ग से कक्षा प्रथम ने प्रथम स्थान पाया एवं वरिष्ठ वर्ग से कक्षा अष्टम् व कक्षा षष्ठ ने प्रथम स्थान अर्जित किया। कक्षा सजाओ प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में श्रीमती बबीता दीदी, श्रीमती रेणुका जैन, श्रीमती सविता यादव, श्रीमती शशिकला श्रीवास्तव, श्रीमती पूर्णिया पांडे व श्रीमती रूखमणी साहू थे। कार्यक्रम का संचालन श्री जीवन गंगबेर ने किया। इस अवसर पर सभी आचार्य/दीदी व भैया बहन उपस्थित थे।

त्योहारी सीजन में मिठाइयों में मिलावट रोकने खाद्य विभाग सतर्क, 21 के नमूने जांच के लिए भेजे



कांकेर, 6 नवंबर। त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए जिले में मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जिले के विभिन्न मिठाई दुकानों, कन्फेक्शनरी के थोक प्रतिष्ठानों, किराना दुकानों एवं होटलों का नियमित निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित किए जा रहे हैं। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जा रही है।

वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं उनकी टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से काजू कतली एवं छेना रसगुल्ला, खीर कदम एवं चॉकलेट मावा बर्फी, कलाकंद एवं बालूशाही, खोवा, बादाम बर्फी, पनीर तथा बर्फी के नमूने लिए गए। इसके अलावा विभिन्न प्रतिष्ठानों से पेड़ा, लड्डू, नारियल बर्फी, पनीर, दूध, दही, नमकीन एवं घी सहित कुल 21 खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित कर जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट में नमूने अमानक पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन कार्यालय कांकेर के अभिहित अधिकारी सुष्मित देवांगन ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारकर्ताओं को प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने, अखाद्य रंगों का उपयोग नहीं करने, स्वच्छ पेयजल का इस्तेमाल करने तथा खाद्य पदार्थों को अखबारी कागज में नहीं रखने के निर्देश दिए गए। वहीं बिना लाइसेंस अथवा पंजीयन खाद्य कारोबार करने एवं एक्सपायरी खाद्य सामग्री बेचने के मामले में दो खाद्य प्रतिष्ठानों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज भी किया गया है। इसके साथ ही तीन खाद्य कारोबारकर्ताओं को सुधार के लिए इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि बाजार में बिकने वाली खुली एवं अमानक खाद्य सामग्री के उपयोग से बचें। अधिक कृत्रिम रंग वाली मिठाइयों का सेवन न करें।

अवैध धान परिवहन और फर्जीवाड़े पर प्रशासन सख्त, राजहंस राइस इंडस्ट्रीज का औचक निरीक्षण

कांकेर, 6 नवंबर । राज्य शासन की मंशानुरूप समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने तथा अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी और जांच की जा रही है। इसी कड़ी में आज अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भानुप्रतापपुर श्री अनिकेत अशोक फड़तरे के नेतृत्व में राजस्व, खाद्य, सहकारिता एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने कृषि उपज मंडी समिति बालोद के अंतर्गत आने वाले क्रेता व्यापारी राज हंस राइस इंडस्ट्रीज, संबलपुर के व्यावसायिक परिसर का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम भानुप्रतापपुर ने बताया कि टीम द्वारा फर्म के परिसर में पहुंचकर धान के भौतिक सत्यापन की कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान मौके पर केवल रात्रिकालीन चौकीदार उपस्थित मिला। पूछताछ में चौकीदार ने बताया कि विगत दिवस शाम 7 बजे से लेकर निरीक्षण के समय तक परिसर में धान अनलोड करने के लिए कोई वाहन नहीं पहुंचा है। जांच के दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं।

इस संबंध में जब फर्म के प्रोपराइटर से दूरभाष पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने पहले वाहन आने और धान अनलोड होने की जानकारी दी। लेकिन जब मौके पर भौतिक सत्यापन कराने की बात कही गई, तो वे अपने बयान से मुकर गए और वाहन के रास्ते में खराब होने अथवा उसके कहां रुकने की जानकारी नहीं होने की बात कहने लगे। उनके बयानों में विरोधाभास तथा मौके पर वाहन एवं धान की अनुपस्थिति को देखते हुए वैध अनुज्ञा पत्र की आड़ में धान के अन्यत्र परिवहन अथवा अवैध रूप से खपाए जाने की आशंका सामने आई है। मामले में संबंधित व्यापारी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।जिला प्रशासन ने सभी धान व्यापारियों, राइस मिलर्स एवं बिचौलियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार का फर्जीवाड़ा, अवैध परिवहन अथवा समर्थन मूल्य से संबंधित अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक मंडी से जारी होने वाली अनुज्ञा रसीद (गेट पास) की ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से बारीकी से निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही प्रशासन की संयुक्त टीमें विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों का लगातार औचक भौतिक सत्यापन कर रही हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दस्तावेजों में दर्ज जानकारी और मौके पर वास्तविक स्थिति में अंतर पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध मंडी अधिनियम एवं अन्य प्रभावी कानूनों के तहत धान की जब्ती, लाइसेंस निरस्तीकरण सहित कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने कहा है कि किसानों के हितों की रक्षा, धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने तथा अवैध धान कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को बख्शा नहीं जाएगा। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहायक खाद्य अधिकारी, खाद्य निरीक्षक, कोऑपरेटिव इंस्पेक्टर एवं मंडी इंस्पेक्टर शामिल थे।

एक नजर

जीवनदाता परिवार सम्मान 2026 का आयोजन 28 नवंबर को

रायपुर 6 नवंबर। अंगदान के माध्यम से मृत्यु के बाद भी दूसरों को नया जीवन देने वाले परिवारों के साहस और मानवता को सम्मानित करने के उद्देश्य से 2030 का भारत द्वारा 28 नवंबर को 'जीवनदाता परिवार सम्मान 2026' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में अंगदान करने वाले परिवारों के साथ जागरूकता फैलाने वाले व्यक्तियों और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े सेवाभावी डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में तीन श्रेणियों में सम्मान दिए जाएंगे। इनमें अंग एवं टिश्यू दान करने वाले परिवारों को 'जीवनदाता परिवार सम्मान', अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने वालों को 'जीवन प्रेरणा सम्मान' और अंगदान एवं प्रत्यारोपण प्रक्रिया में योगदान देने वाले डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को 'जीवन सारथी सम्मान' प्रदान किया जाएगा। संस्था के संस्थापक डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा कि अंगदान करने वाले परिवार मानवता की मिसाल हैं। इस पहल का उद्देश्य उनके साहस और संवेदनशीलता को सम्मान देने के साथ समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना है।

निगम कर्मियों को दिवाली के पूर्व अक्टूबर माह तक का वेतन

राजनांदगांव 6 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। निगम कर्मियों को नियमित रूप से वेतन भुगतान करने का प्रयास किया जा रहा है। इस माह दीपावली को ध्यान में रखकर अक्टूबर पेड नवम्बर का भुगातन सभी अधिकारियो व कर्मचारियो को कर दिया गया है। जिससे निगम कर्मी खुशियों से दीपावली त्यौहार मनायेगे। नगर निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने बताया कि नगर निगम के कर्मचारियों को नियमित वेतन भुगतान करने में कठिनाई रहती है। क्योकि वेतन के अनुरूप राजस्व वसूली नही हो पाती, लेकिन विगत माहो में महापौर महोदय एवं स्वयं के द्वारा राजस्व वसूली के लिए लगातार समीक्षा करने तथा उन्हें मार्गदर्शन देने से राजस्व वसूली में वृद्धि हुई, जिससे वेतन भुगतान में सुविधा हुई। इस माह दीपावली त्योहार को देखते हुए शासन से प्राप्त अनुदान एवं राजस्व वसूली के आधार पर अक्टूबर माह तक का वेतन सभी अधिकारी कर्मचारियो को भुगतान किया गया है। इसी प्रकार महापौर महोदय के निर्देश पर प्लेसमेंट कर्मचारियो को भी 2 माह का वेतन तथा पार्षदो को 2 माह का मानदेय एवं पूर्व पार्षदो का 1 माह का मानदेय भुगतान किया गया है। वेतन भुगतान हो जाने से निगम कर्मी खुशियो के साथ दीवाली मना सकेंगे।

जिला स्तरीय रोजगार मेले में 113 आवेदकों का प्रारंभिक चयन, 15 युवाओं को नियुक्ति पत्र

राजनांदगांव 6 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र राजनांदगांव द्वारा जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में विभिन्न नियोजकों द्वारा अलग-अलग पदों पर भर्ती के लिए 408 आवेदकों का साक्षात्कार लिया गया। इनमें से 113 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया तथा 15 आवेदकों को मेला स्थल पर ही नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिला। उप संचालक रोजगार श्री विष्णु कुमार केडिया ने बताया कि रोजगार मेले में शामिल अन्य आवेदकों की अंतिम चयन प्रक्रिया जारी है। इस संबंध में जानकारी ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से दी जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन 9 दिसम्बर 2026 को किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक नियोजक ई-रोजगार पोर्टल पर उपलब्ध रिक्त पदों की जानकारी अधिसूचित कर सकते हैं। वहीं रोजगार के इच्छुक युवा अपनी आईडी से पोर्टल पर लॉगिन कर आवेदन दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने जिले के अधिक से अधिक रोजगार इच्छुक युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

मोदी की गारंटी, साय सरकार का संकल्प : दीपावली पर 4670 परिवारों को पक्के घर की सौगात

- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के बीएलसी एवं एएचपी घटकों में अब तक 76,086 हितग्राहियों के आवासों को केंद्र की मंजूरी
- 27 जिलों के 84 नगरीय निकायों में नए आवास स्वीकृत, हजारों परिवारों के अपने आशियाने के सपने को मिली नई उड़ान

रायपुर. 6 नवंबर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सबके लिए आवास' के संकल्प और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता से प्रदेश के शहरी जरूरतमंद परिवारों के पक्के घर का सपना साकार होने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है। दीपावली के शुभ अवसर पर भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) घटक के अंतर्गत 4670 नए आवासों की स्वीकृति प्रदान की है। प्रदेश के 27 जिलों के 84 नगरीय निकायों में यह मंजूरी दीपावली की सौगात बनकर आई है।

इस नवीन स्वीकृति से पूर्व भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) घटक के अंतर्गत 55 हजार 953 हितग्राहियों तथा भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी) घटक के अंतर्गत 15 हजार 463 हितग्राहियों के आवास स्वीकृत किए जा चुके थे। इस प्रकार दोनों घटकों में पहले ही कुल 71 हजार 416 आवासों को मंजूरी मिल चुकी थी।

अब 4670 नए आवासों की स्वीकृति के साथ बीएलसी घटक में स्वीकृत आवासों की संख्या बढ़कर 60 हजार 623 हो गई है। एएचपी घटक के 15 हजार 463 आवासों को मिलाकर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के इन दोनों घटकों के अंतर्गत अब तक कुल 76 हजार 086 हितग्राहियों के आवासों को भारत सरकार की मंजूरी मिल चुकी है।

संवेदनशीलता के साथ शहरी गरीब परिवारों के लिए इन आवासों की मंजूरी गरीब कल्याण को प्राथमिकता देने वाली डबल इंजन सरकार के संकल्प को रेखांकित करती है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से अपने पक्के घर की उम्मीद संजोए हजारों परिवारों के सपनों को नई मजबूती मिल रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नवीन आवासों की स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सबके लिए आवास' के संकल्प को छत्तीसगढ़ में तेजी से साकार किया जा रहा है। उन्होंने सभी नए लाभार्थी परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि 4670 नए आवासों की स्वीकृति से हजारों शहरी गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना पूरा होगा। राज्य सरकार हर पात्र परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

दीपावली पर मिली यह सौगात उन परिवारों के लिए विशेष महत्व रखती है, जो अपने घर के आंगन में खुशियों के दीप जलाने का सपना संजोए हुए हैं। आवास की स्वीकृति उनके लिए केवल मकान निर्माण का अवसर नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की दिशा में बढ़ता कदम है।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने इस स्वीकृति को नगरीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सभी हितग्राही परिवारों को बधाई दी है। उन्होंने संबंधित सभी 84 नगरीय निकायों को हितग्राहियों के आवास निर्माण में हर संभव सहयोग प्रदान करने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के हर शहरी गरीब को अपना घर मिले, यही राज्य सरकार का लक्ष्य है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार के प्रयास, प्रदेश के जरूरतमंद परिवारों के अपने आशियाने की उम्मीद को आगे बढ़ा रहे हैं। दीपावली पर बड़ी संख्या में नए आवासों की स्वीकृति इसी प्रतिबद्धता का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है–ताकि आने वाले समय में इन परिवारों के अपने पक्के घरों में भी खुशियों के दीप जगमगाएं।

डीएमएफ की कार्ययोजना में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना को दें प्राथमिकता: राज्यपाल

रायपुर, 6 नवंबर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा है कि जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की राशि का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास और वहां के निवासियों के जीवन स्तर में सुधार के लिए किया जाना चाहिए। इसके तहत पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि सतत विकास के लिए पर्यावरण संरक्षण आवश्यक है। इसके लिए सुनियोजित कार्ययोजना तैयार करने के साथ पर्यावरणविदों का भी सहयोग लिया जाए।



राज्यपाल श्री डेका आज लोक भवन में जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की गतिविधियों, खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों तथा आगामी पांच वर्षों की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने डीएमएफ की राशि के प्रभावी और सुनियोजित उपयोग के लिए कम से कम दो वर्ष का रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए डीएमएफ से आवश्यक कार्य किए जाएं। साथ ही उद्योगों से चर्चा कर पर्यावरणीय मानकों और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को अभियान के रूप में संचालित करने पर उन्होंने जोर दिया।

राज्यपाल ने नदियों से रेत उत्खनन के संबंध में वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल तरीकों को अपनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि रेत रहेगी तो पानी रहेगा और पानी रहेगा तो रेत रहेगी। रेत खदानों में वैज्ञानिक तरीके से उत्खनन को लेकर विशेष अभियान चलाने की बात भी कही।

राज्यपाल ने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे आम जनता से संवाद करें और उनकी आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं को समझें। इसके अनुरूप डीएमएफ की कार्ययोजना तैयार की जाए। विकास कार्यों के क्रियान्वयन में जनप्रतिनिधियों को भी विश्वास में लेना आवश्यक है। प्रशासन को जनता के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए और उन्हें स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि कौन से कार्य किए जा सकते हैं तथा किन कार्यों को करना संभव नहीं है। उन्होंने डीएमएफ की नियमित बैठकें आयोजित करने को कहा, ताकि कार्यों की प्रगति की समीक्षा और आवश्यक निर्णय समय पर लिए जा सकें। राज्यपाल ने कहा कि डीएमएफ के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक कल्याण और विकास से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विशेष उद्देश्यों के लिए डीएमएफ के अंतर्गत कार्य निर्धारित किए जाते हैं, उन कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने बस्तर क्षेत्र में डीएमएफ के माध्यम से विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो लोग मुख्यधारा में लौट आए हैं, उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उनके पुनर्वास, सामाजिक सुरक्षा और जीवन स्तर में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि वे विकास की प्रक्रिया से जुड़ सकें। राज्यपाल ने खनन प्रभावित क्षेत्रों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजातियों के कल्याण पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने इन जनजातीय समुदायों के लिए विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित करने तथा स्वास्थ्य एवं जीवनशैली में सुधार के लिए जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन समुदायों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जाएं और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ लोक कलाकार डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर को मिला सर्वोच्च 'हबीब तनवीर सम्मान'



रायपुर 6 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव में भारत सरकार के केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के करकमलों से प्रसिद्ध रंगकर्मी डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर को छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग के सर्वोच्च 'हबीब तनवीर सम्मान' से विभूषित किया गया है। यह सम्मान उन्हें नाटक, रंगमंच, अभिनय, निर्देशन और लोक संस्कृति के क्षेत्र में पिछले 48 वर्षों से दिए जा रहे उनके विशिष्ट एवं अतुलनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है।

माटी से जुड़ाव और बहुमुखी प्रतिभा

रायपुर जिले के आरंग विकासखंड अंतर्गत बोड़रा गांव के एक किसान परिवार में जन्मे डॉ. चंद्राकर को कला के संस्कार अपने पिता श्री शत्रुहन लाल चंद्राकर से विरासत में मिले हैं। उन्होंने अपनी कला के माध्यम से ठेठ छत्तीसगढ़ी भाषा, हास्य-व्यंग्य और सहज संवादों के जरिए दहेज प्रथा, नशा मुक्ति, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण जैसी सामाजिक कुरीतियों पर करारी चोट की है। वे गांव के बुजुर्ग से लेकर शराबी पति और अधिकारी तक, हर किरदार को इतनी जीवंतता से निभाते हैं कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहचान

उन्होंने 'चरणदास चोर' और 'जाणता राजा' जैसे प्रसिद्ध नाटकों में अभिनय करने के साथ-साथ कॉमनवेल्थ गेम्स 2010, लाल किला और भारत मंडपम जैसे देश के तमाम प्रतिष्ठित मंचों पर अपनी कला का लोहा मनवाया है। इसके अलावा, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (हृश्वक्र) के तहत स्कूली पाठ्यक्रम में छत्तीसगढ़ की लोक कला, संस्कृति और परंपराओं को शामिल करवाने में उनका अहम योगदान रहा है। 'लोकरंजनी लोक कला सांस्कृतिक समिति' के संस्थापक डॉ. चंद्राकर आज छत्तीसगढ़ की जीवंत लोक संस्कृति और कला-साधना के सच्चे संवाहक बन चुके हैं।

चंद्रगिरि चरखा केंद्र का विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

- चरखे की कार्यप्रणाली, सूत कताई एवं खादी वस्त्र निर्माण की प्रक्रिया से हुए रूबरू

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ 6 नवंबर। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ के गृह विज्ञान विभाग द्वारा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को 31 अक्टूबर को 'वस्त्रों का परिचय' विषय के अंतर्गत चंद्रगिरि चरखा केंद्र का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को वस्त्र निर्माण की पारंपरिक प्रक्रिया, चरखे की कार्यप्रणाली, सूत कातने की विधि तथा खादी एवं हस्तनिर्मित वस्त्रों के महत्व से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना था।



भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने चरखे के संचालन, विभिन्न प्रकार के रेशों से सूत निर्माण तथा पारंपरिक कताई प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही खादी एवं स्वदेशी वस्त्रों के उत्पादन में पारंपरिक तकनीकों की भूमिका को भी समझा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में अर्जित सैद्धांतिक ज्ञान को प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से समझने का अवसर मिला। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जम्बूलकर के मार्गदर्शन एवं गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों में पारंपरिक वस्त्र उद्योग, स्वदेशी उत्पादों एवं हस्तकला के प्रति जागरूकता और रुचि विकसित हुई। उक्त शैक्षणिक भ्रमण में योग विभाग की सुश्री मंजू धनकर ने सहयोग प्रदान किया। भ्रमण में लगभग 40 से 45 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर लाभ प्राप्त किया। उक्त शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुखी जानकारी प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

भगवान महावीर स्वामी निर्वाण दिवस पर 9 नवम्बर को मटन मार्केट बंद

राजनांदगांव 6 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राज्य शासन के निर्देशानुसार भगवान महावीर स्वामी निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 9 नवम्बर दिन सोमवार को नगर निगम सीमाक्षेत्र स्थित समस्त पशुवध गृह एवं मटन मार्केट पूर्णरूपेण बंद रहेंगे। नगर निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने स्वास्थ्य विभाग को उक्त दिवस पर पशुवध एवं विक्रय कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित सुनिश्चित करने कहा है। आयुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को उक्त दिवस पर मांस विक्रय करते पाये जाने पर मांस जप्त करने, 5000 रूपये अर्थदण्ड वसूलने एवं संबंधित के विरूद्ध यथोचित कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। उन्होंने समस्त स्वच्छता निरीक्षकों से कहा है कि उपरोक्त आदेश का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करे एवं अपने संबंधित क्षेत्रों में पर्यवेक्षण रखे।

छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 11 सहबद्ध स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 6 नवंबर। छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026ङ्क27 के लिए सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देखरेख क्षेत्र के 11 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ हो गया है। इनमें तीन डिप्लोमा और आठ स्नातक पाठ्यक्रम शामिल हैं। प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट https://cgdme.in का अवलोकन कर सकते हैं।

डिप्लोमा स्तर पर एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, डायलिसिस टेक्नोलॉजी तथा मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रम शामिल हैं। स्नातक स्तर पर बैचलर ऑफ फिजिशियन एसोसिएट्स, बैचलर ऑफ साइंस हेल्थ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ रेडिएशन थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर्स ऑफ डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री तथा बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी साइंस शामिल हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थी चिकित्सा सेवाओं से जुड़े विभिन्न तकनीकी कार्यक्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रमुख कार्यक्षेत्रों में रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग, चिकित्सा प्रयोगशाला, एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर, डायलिसिस तथा ऑप्टोमेट्री शामिल हैं।

रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग का कार्यक्षेत्र एक्स-रे, सीटी और एमआरआई जाँच सेवाओं से जुड़े क्षेत्र में रोजगार के द्वार खुलेंगे है। चिकित्सा प्रयोगशाला का कार्यक्षेत्र पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं, रक्त बैंकों और शोध प्रयोगशालाओं तक विस्तृत है। इसी प्रकार एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर से संबंधित भूमिकाएँ शल्य कक्ष, गहन चिकित्सा इकाई और आपातकालीन विभाग में होती हैं। डायलिसिस का कार्यक्षेत्र डायलिसिस इकाइयों एवं गुर्दा रोग विभाग तथा ऑप्टोमेट्री का कार्यक्षेत्र नेत्र अस्पतालों, दृष्टि जाँच केंद्रों में रोजगार की संभावना होगी ।

आवेदन जमा करने अथवा शुल्क का भुगतान करने से पहले अभ्यर्थियों को आधिकारिक प्रवेश सूचनाओं का अवलोकन करने के लिए कहा गया है। प्रवेश की विस्तृत शर्तों और प्रक्रिया की प्रामाणिक जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी अधिसूचनाओं से प्राप्त की जा सकती है।

नमस्ते योजनांतर्गत स्वच्छता दीदी एवं सफाई कर्मियों को प्रशिक्षण



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 6 नवंबर। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नमस्ते योजनांतर्गत नगर निगम राजनांदगांव के स्वच्छता दीदीयो तथा सेप्टीक टैक सीवर सफाई कर्मचारियों को कौशल उन्नयन एवं व्यवसायिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा मे प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महापौर श्री मधुसूदन यादव तथा निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम के मार्ग दर्शन में डोर टू डोर कचरा संग्रहण कर एसएलआरएम सेन्टर में पृथककर उसका उचित निपटान करने वाले 359 स्वच्छता दीदी जिन्होंने पंजीयन कराया था उन्हे तथा 45 सेप्टीक टैंक सीवर सफाई कर्मचारियो को नमस्ते योजनांतर्गत 8 चरणो में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य सुरक्षा उपायो एवं शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओ की जानकारी देना है, ताकि योजना का लाभ उन्हे मिल सके। प्रशिक्षण में आयुष्मान भारत योजनांतर्गत स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, स्वरोजगार के लिए पूजीगत सब्सिडी, बैक ऋण प्राप्त करने संबंधी योजनाओ की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा पीपी कीट का उपयोग एवं आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के संचालन कार्य के दौरान अपनाने वाली सवधानिया भी बतायी जा रही है। प्रशिक्षिण का मूल उद्देश्य, स्वच्छता दीदीयो, सफाई मित्रों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना तथा उनके जीवन स्तर में सुधार कर सम्मानजनक पहचान दिलाना है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से किसान लीलाधर साहू को मिल रहा आर्थिक संबल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 6 नवंबर। किसानों की मेहनत और उनके सपनों को संबल देने के लिए संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अन्नदाताओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मविश्वास का नया उजाला लेकर आ रही है। खेती-किसानी में छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता किसानों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। इसी योजना से लाभान्वित राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मोखला निवासी किसान श्री लीलाधर साहू के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आ रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 24वीं किस्त के हस्तांतरण से उन्हें खेती-किसानी के कार्यों के लिए आर्थिक संबल मिला है। किसान श्री लीलाधर साहू ने बताया कि खेती ही उनकी आजीविका का प्रमुख आधार है। खेतों में मेहनत कर फसल उगाना और परिवार की जरूरतों को पूरा करना उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेती-किसानी के दौरान बीज, खाद एवं अन्य कृषि संबंधी आवश्यकताओं के लिए समय-समय पर राशि की जरूरत पड़ती है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली राशि उनके लिए मददगार साबित होती है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग वे खेती-किसानी के कार्यों में करते हैं। इससे कृषि संबंधी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में सहूलियत मिलती है।



श्री लीलाधर साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष तीन किस्तों में 2-2 हजार रूपए की राशि प्रदान की जाती है। इस प्रकार सालभर में कुल 6 हजार रूपए की आर्थिक सहायता सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है। यह राशि किसानों को खेती की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि शासन की इस योजना से किसानों को आर्थिक सहायता मिलने के साथ ही खेती के प्रति उनका उत्साह और आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है। शासन द्वारा किसानों की जरूरतों का ध्यान रखते हुए दी जा रही सम्मान निधि उनके लिए महत्वपूर्ण सहारा है। उन्होंने किसानों के हित में संचालित इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

जुए के फड़ों पर कार्रवाई, 29 जुआरी गिरफ्तार

बलौदबाजार, 6 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला पुलिस कप्तान गौरव राय के 'जीरो टॉलरेंस' निर्देश पर बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने अवैध जुआ और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ जिलेभर में आक्रामक अभियान चलाया। 4 नवंबर को सिटी कोतवाली, सिमगा और गिधौरी सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने ताबड़तोड़ रेड मारकर ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाते 29 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सिटी कोतवाली (ग्राम लटूवा): पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों (अपराध क्रमांक 921 व 922/2026) में लटूवा निवासी ऋषि कांत, साहिल वर्मा, कौशल कुमार, मनहरण साहू, दिनेश यादव और रामभरोस नायक को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 5,000 नगद जप्त किए।

साबित कुछ कर नहीं पाते,नए नए आरोप लगाते हैं

ऐसे नेता जो साबित कुछ नहीं कर पाते हैं और नए नए आरोप लगाते रहते हैं,वह कभी सफल नेता नहीं माने जाते हैं क्योंकि ऐसे नेता को कोई गंभीरता से नहीं लेता है,सब यही कहते हैं कि यह तो आए दिन आरोप लगाता है लेकिन साबित कुछ नहीं कर पाता है,क्योंकि उसके पास अपने आरोप को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं होता है। ऐसे नेता के आए दिन लगाए जाने वालों आरोपों को जनता भी गंभीरता से नहीं लेती है, वह भी मान लेती है, इसकी तो आरोप लगाने की आदत है,यह आज कुछ आरोप लगा रहा है तो कल को कुछ और आरोप भी लगा सकता है।इस तरह के आचरण से नेता की छबि तो प्रभावित होती ही है, पार्टी को भी ऐसे नेता के कारण राजनीतिक नुकसान होता है। नेता ही भरोसे लायक नहीं होता है तो पार्टी पर भी लोगों का भरोसा ज्यादा नहीं रहता है।नेता की छबि से ही पार्टी की छवि बनती है, नेता की छबि खराब होती है तो पार्टी की छबि भी खराब होती है।

राहुल गांधी कांग्रेस के ऐसे ही नेता हैं,वह आए दिन पीएम मोदी पर,संवैधानिक संस्थाओं पर नए नए आरोप लगाते रहते हैं लेकिन वह अपने किसी आरोप को आज तक साबित नहीं कर सके है।वह पीएम मोदी को डरपोक,कायर,सरेंडर करने वाला नेता कह चुके हैं, एक बार नही कई बार कह चुके हैं लेकिन साबित कुछ नहीं कर सके क्योंकि उनके पास साबित करने के लिए कोई सबूत था ही नहीं।वह नरेंद्र मोदी को डरपोक पीएम कहते रहे और नरेंद्र मोदी एक के एक बाद स्ट्राइक कर खुद को सबसे बहादुर नेता साबित करते रहे। पाकिस्तान को घर में घुसकर मारने के बाद तो देश की जनता कोई कितना भी कहे पीएम मोदी डरपोक नेता है,जनता मानती नहीं है, जनता तो वही देखती है जो उसे दिखाई देता है और उसे दिखाई दिया है पीएम मोदी एक बहादुर नेता हैं,देश के लिए जीने वाला नेता हैं, वह कभी कुछ गलत नहीं कर सकता।गरीबों से लेकर अमीरों तक के लिए पीएम मोदी ने काम किया है,इसलिए वह सभी के लोकप्रिय नेता हैं। राहुल गांधी ने पीएम मोदी की सरकार का मजाक उड़ाया था सूट बूट की सरकार कहकर। जनता ने जरा भी राहुल गांधी की बात पर भरोसा नहीं किया। एक बार उनकी सरकार का काम देखने के बाद जनता उनको दूसरी बार के बाद तीसरी बार भी उनकी सरकार बनाई है। यानी जनता ने तीन बार के चुनाव में साबित कर दिया है कि फिलहाल तो पीएम मोदी पर कोई भी कैसा भी आरोप लगाते रहे जनता उसके साथ है और उसे बदलने वाली नहीं है।हाल ही में जनता ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के यह कहने पर कि मोदी क्या मोदी का बाप जाएगा,यह जवाब दिया है कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाएगा। जब जनता खुद कहती है कि मोदी कहीं नहीं जाएगा तो उसका यही मतलब होता है कि जनता पीएम मोदी के साथ है, जनता भाजपा के साथ है जनता राहुल गांधी के साथ नहीं है,जनता कांग्रेस के साथ नहीं है। राहुल गांधी ने दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोरी व ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे व एसआईआर के विरोध में रैली का आयोजन किया और दस लाख लोग आएंगे कहकर यह साबित करने का प्रयास किया कि लोग पीएम मोदी से नाराज हैं, ज्ञानेश कुमार की वोट चोरी से नाराज है, एसआईआर में लोगों के नाम काटे जाने से लोग नाराज हैं।लेकिन दस लाख लोग तो रैली नहीं आए और राहुल गांधी फिर साबित नहीं कर पाए कि देश के लोग पीएम मोदी से नाराज है,वह उनको सत्ता से हटाना चाहते हैं। पचास हजार लोगों के रैली में आने से तो यही साबित हुआ कि राहुल गांधी के साथ देश की जनता नहीं है,राहुल गांधी की बातों पर देश की जनता को यकीन नहीं है। क्योंकि जनता को तो लगता नहीं है कि उसका वोट चोरी हुआ है,वह तो जिसको वोट देकर आती है,वही जीतता है।वह तो जानती है कि उसने जिसको वोट दिया है,वही जीता है।वोट चोरी,एसआईआर में वोट काटने के मामले में राहुल गांधी महीनों के बाद भी कोई सबूत पेश नहीं कर पाए हैं, न तो राष्ट्रपति को सबूत देने गए और न ही सुप्रीम कोर्ट में कोई सबूत अब तक पेश कर पाएं हैं कि देश में हो रहे चुनाव में वोट चोरी हो रही है तो कैसे हो रही है,राम लीला मैदान में भी राहुल गांधी व विपक्ष वोट चोरी का कोई सबूत पेश नहीं कर सका है।राम लीला मैदान की रैली बुरी तरह फ्लाप होने के बाद लोग उम्मीद कर रहे थे कि राहुल गांधी अब कोई नया आरोप लगाएंगे और उन्होंने ऐसा ही किया है पीएम मोदी पर यह आरोप लगाकर कि पीएम मोदी विदेशी मदद से पीएम बने हैं और इसी मदद के सहारे वह पीएम पद पर बने हुए है। राहुल गांधी का यह आरोप तो वोट चोरी से भी ज्यादा अविश्वनीय है क्योंकि देश की जनता बखूबी जानती हैं कि विदेशी ताकतें तो मोदी विरोधी है,वह मोदी को सत्ता से हटाने के लिए देश में राजनीतिक व गैरराजनीतिक संगठनों को अराजकता फैलाने के लिए पैसा देती रहती है और ऐसे संगठन कभी शाहीन बाग,कभी किसान आंदोलन,कभी पेपर लीक,कभी वोट चोरी के नाम पर देश मे अराजकता फैलाने का प्रयास करते रहते हैं और मोदी उनको देश मे अराजकता फैलाने से रोकने में अब तक सफल हैं।

धनतेरस

धन की पूजा नहीं, धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व

ललित गर्ग

पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और



इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है। यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामतः हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है।

धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है। सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना



धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है।धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं। लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ। आज आवश्यकता धन कमाने की नहीं, धन कमाने की शुद्ध पद्धति और उसके शुद्ध उपयोग की है। यदि साध्य समृद्धि है तो साधन भी शुद्ध होने चाहिए। बेईमानी, शोषण, छल और भ्रष्टाचार से अर्जित धन चाहे कितनी भी बड़ी संपत्ति क्यों न बना दे, वह जीवन में शांति और समाज में सम्मान नहीं ला सकता। इसके विपरीत परिश्रम, ईमानदारी और नैतिकता से अर्जित सीमित धन भी जीवन को गरिमा प्रदान करता है। धनतेरस हमें संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना देता है। जिस धन का प्रवाह समाज तक नहीं पहुँचता, वह अंततः जड़ हो जाता है। दान, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान में धन का उपयोग उसकी सार्थकता बढ़ाता है। दीपक की तरह धन भी तभी प्रकाश देता है, जब वह स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में उजाला फैलाए।

इसलिए धनतेरस पर हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि इस वर्ष हमारी संपत्ति कितनी बढ़ी, बल्कि यह भी पूछना चाहिए कि हमारा संतोष कितना बढ़ा, हमारा चरित्र कितना मजबूत हुआ, हमारी करुणा कितनी गहरी हुई और हमारे धन से कितने जीवनों में उजाला आया। हमारे पास कार न हो, कोठी न हो, ऊँची कुर्सी न हो-कोई बात नहीं, लेकिन हमारे पास ईमान, इंसानियत, आत्मसम्मान, संयम और चरित्र अवश्य होना चाहिए। यही वह संपदा है जिसे न बाजार खरीद सकता है, न समय छीन सकता है। धनतेरस का दीप तभी सच्चे अर्थों में जलेगा, जब हमारे भीतर धन के साथ धर्म, समृद्धि के साथ संवेदना, भोग के साथ संयम और अधिकार के साथ उत्तरदायित्व का प्रकाश भी जले। धन की समृद्धि जीवन को सुविधापूर्ण बना सकती है, लेकिन चरित्र की समृद्धि ही जीवन को महान बनाती है। यही धनतेरस का सनातन संदेश है और यही आधुनिक समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

दिवाली की रोशनी में आँखों की सुरक्षा न भूलें

डॉ. अभिषेक मेहरा, छत्तीसगढ़ आई हॉस्पिटल, रायपुर

दिवाली खुशियों, रोशनी और उत्सव का पर्व है, लेकिन पटाखों से निकलने वाली चिंगारी, गर्म राख, बारूद के कण और धुआँ आँखों को गंभीर नुकसान पहुँचा सकते हैं। कई बार चोट मामूली दिखाई देती है, लेकिन समय पर उपचार न मिलने पर दृष्टि को स्थायी नुकसान भी हो सकता है। इसलिए त्योहार की खुशियों के साथ आँखों की सुरक्षा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

पटाखे जलाते समय बरतें ये सावधानियाँ

- पटाखे हमेशा खुली जगह पर और सुरक्षित दूरी बनाकर जलाएँ।
- बच्चों को अकेले पटाखे न जलाने दें; उनकी निगरानी वयस्क करें।
- पटाखे जलाने वाले लोग उपयुक्त सुरक्षात्मक चश्मे का इस्तेमाल करें।
- न फटे पटाखे को दोबारा जलाने या उठाकर देखने की कोशिश न करें।
- धुएँ से दूर रहें और बारूद लगे हाथों से आँखों को न छुएँ।

आँख में चिंगारी या कण चला जाए तो क्या करें?

यदि केवल धूल का ढीला कण आँख में गया है और गंभीर चोट का संदेह नहीं है, तो साफ पानी या स्टेराइल सलाइन से धीरे-धीरे आँख धो सकते हैं। आँख को रगड़ें नहीं।



यदि पटाखे की चिंगारी लगी हो, कोई वस्तु आँख में धँसी हो या नजर धुंधली हो रही हो, तो आँख पर दबाव न डालें, वस्तु निकालने की कोशिश न करें और तुरंत अस्पताल जाएँ।

केमिकल आँख में जाने परः यदि आँख में कोई वस्तु धँसी नहीं है और आँख फटने की आशंका नहीं है, तो तुरंत साफ बहते पानी से लगातार आँख धोना शुरू करें और चिकित्सा सहायता लें। घरेलू पदार्थ डालकर केमिकल को बेअसर करने की कोशिश न करें।

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज-आँख में तेज दर्द, खून आना, रोशनी सहन न होना, अचानक धुंधला दिखना, आँख कटना या पटाखे का टुकड़ा लगना—इनमें से कोई भी लक्षण होने पर तुरंत नेत्र चिकित्सक या अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में जाएँ। उपचार में देरी दृष्टि के लिए नुकसानदायक हो सकती है।

आँख में चोट लगने पर गुलाबजल, घी, शहद या बिना चिकित्सकीय सलाह के आई ड्रॉप न डालें। गंभीर आपात स्थिति में भारत के आपातकालीन नंबर 112 पर संपर्क किया जा सकता है।

आँखों की रोशनी अनमोल है-दिवाली की असली खुशी सुरक्षित रहकर त्योहार मनाने में है। थोड़ी-सी सावधानी, बच्चों की निगरानी और चोट लगने पर सही समय पर उपचार किसी बड़ी परेशानी से बचा सकते हैं।

इस दिवाली संकल्प लें—खुशियाँ बाँटें, रोशनी का आनंद लें, लेकिन आँखों की सुरक्षा से कोई समझौता न करें।

दीयों से मने दीवाली, मिट्टी के दीये जलाएँ।

-डॉ. प्रियंका सौरभ

आज की भागती दौड़ती ज़िन्दगी में लोग अपनी परंपरा को भूलते जा रहे हैं। इसका परिणाम है कि आज देश में पर्यावरण संकट के साथ-साथ कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही है। जिसके चलते सभी लोग और जीव-जंतु के जीवन पर संकट है। इस परंपरा में एक दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना भी है। जिसको आज लोग भूलते जा रहे हैं और उसकी जगह पर इलेक्ट्रानिक लाइटों का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन जो सुंदरता मिट्टी के दीये जलने पर दिखती है वह इलेक्ट्रानिक लाइटों के जलने से नहीं। इस बात को स्वयं लोग भी स्वीकार कर रहे हैं और इस परंपरा को लोगों के भूलने पर चिंता भी व्यक्त कर रहे हैं। मिट्टी के दीये जलाना परंपरा के साथ हमारी संस्कृति है। अपनी संस्कृति को कोई कैसे भूल सकता है। इसका सभी लोगों को ध्यान रखना चाहिए। मिट्टी के दीये जलाने के कई लाभ है। जिसका उल्लेख कई जगहों पर देखने और सुनने को मिलता है। इसलिए सभी लोग मिट्टी के दीयें जलाएँ।

दीपावली का त्यौहार मिट्टी के दीये से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। दीया जलाने की परंपरा आदि काल से रही है। भगवान राम की अयोध्या वापसी की ख़ुशी में अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाया था, तब से ही कार्तिक महीने में दीपों का यह त्यौहार मनाये जाने की परंपरा रही है। पिछले दो दशक के दौरान कृत्रिम लाइटों का क्रेज बढ़ा है। आधुनिकता की आंधी में हम अपनी पौराणिक परंपरा को छोड़कर दीपावली पर बिजली की लाइटिंग के साथ तेज ध्वनि वाले पटाखे चलाने लगे हैं। इससे एक तरफ़ मिट्टी के कारोबार से जुड़े कुम्हारों के घरों में अँधेरा रहने लगा, तो ध्वनि और वायु प्रदूषण फैलानेवाले पटाखों को अपना कर अपनी सांसों को ही खतरे में डाल दिया। अपनी परंपराओं से दूर होने की वज़ह से ही कुम्हार समाज अपने पुश्तैनी धंधे से दूर होता जा रहा है। दूसरे रोजगार पर निर्भर होने लगे हैं।एक समय था जब दीपावली पर्व को लेकर लोग मिट्टी के दीये खरीदने के लिए पहले ही कुम्हार को आर्डर कर देते थे। तब गाँव या अन्य किसी गाँव के कुम्हार के घर के सभी सदस्य काम में व्यस्त होते थे।

दीपावली पर्व पर कई लोगों के आर्डर को पूरा करने में दिन रात एक कर मेहनत करते थे। हालांकि उस समय उतनी आमदनी नहीं होती थी, लेकिन कुम्हारों को भी एक रुचि रहती थी कि इस परंपरा को जीवंत रखना है। लेकिन आज लोग मिट्टी के दीये जलाना धीरे-धीरे कम कर दिए हैं, इससे अब कुम्हार भी इसमें रुचि नहीं ले रहे। जिसका नतीजा है कि आज दीपावली पर्व में लोग घर में दो-चार मिट्टी के दीये जला कर सिर्फ़ एक परंपरा को किसी तरह निर्वहन कर रहे हैं। ज्यादातर लोग इलेक्ट्रानिक लाइटों, झालर और अन्य लाइटों को जला कर ही दीपावली पर्व में अपने घर को रोशनी से जगमग करने की कोशिश कर रहे हैं। हम सभी अब दीपावली के नाम पर पर्यावरण को दूषित कर रहे हैं। अब हमें पुनः अपनी परंपरा को समझना जगजाहिर है। इस बार दीपावली के दिन मिट्टी के दीये जलाने का संकल्प लेकर संस्कृति का बचाव करना है। सभी लोग मिट्टी के दिये ही जलाएँ। आज की युवा पीढ़ी इलेक्ट्रानिक लाइटों के प्रति अधिक रुचि रख रही है। घरों को सजाने से लेकर दीये जलाने में इलेक्ट्रानिक लाइटों का ही उपयोग कर रही है। जबकि यह सोचना चाहिए कि हमारी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करना युवाओं के कंधे पर ही है। गाँव या किसी शहर में जो कुम्हार है वह आज भी मिट्टी के दीये बनाते हैं। इसमें उन्हें सिर्फ़ आमदनी का लालच नहीं होता बल्कि उनमें अपनी संस्कृति और परंपरा को बरकरार रखने का



होगा। हमें मिट्टी के दिये जलाने की परंपरा की पुनः शुरुआत करनी होगी। इससे कीड़े मकोड़े मरते हैं। झालर और लाइट से कीड़े नहीं मरते। हमारी संस्कृति सरसों के तेल के दिये जलाना है, अच्छे पकवान बनाना, मिठाइयाँ खाना और पड़ोसी को भी खिलाना, लोगों को उपहार देना आदि है। लेकिन लोग अब उतने समझदार नहीं हैं इसलिए पटाखे छूटेंगे।

लोग मिट्टी के दीये जलाएँ। इससे प्रदूषण भी नहीं होगा और परंपरा भी जीवंत रहेगी। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना पूर्वजों के द्वारा बनाई गई परंपरा है। इसे हम सभी लोगों को बरकरार रखना चाहिए। दिवाली में मिट्टी के दीये जलाना हमारी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ने का बहुत ही सुगम साधन है। यह भारतीय संस्कृति में बहुत ही शुभ और पवित्र माना जाता है। मिट्टी के दीये प्रेम, समरसता और ज्ञान के प्रतीक हैं। सामाजिक व आर्थिक आधार पर भी दीयों की खूबसूरती उत्साह होता है। लेकिन लोग इसे भूलते जा रहे हैं। परंपरा व पर्यावरण के संरक्षण के लिए मिट्टी के दीये जलाना है। इनसे कोई प्रदूषण नहीं होता। कृत्रिम रोशनी आंखों और त्वचा के लिए हानिकारक होती है। मिट्टी के दीये की रोशनी आंखों को आराम पहुँचाती है। मिट्टी के दीये हमारी संस्कृति के एक अहम अंग हैं। दिवाली पर इसे जलाकर हम अपनी परंपराओं को याद रखते हैं। मिट्टी के दीये बनाने वाले कारीगरों को प्रोत्साहित करने का भी यह अच्छा मौका है। आइये, इस दीपावली, हम सभी मिलकर मिट्टी के दीये जलाएँ और एक स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण बनाने में अपना योगदान दें। लोगों को इस पर विचार करना चाहिए। वर्तमान में अपनी परंपरा को बरकरार रखने और पर्यावरण बचाने के लिए इस दीपावली मिट्टी की दीये जलाने के प्रति लोगों ख़ास कर बच्चों व युवाओं को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाएँ।

दीपोत्सव विशेष

राम का नहीं तो किसी काम का नहीं

विजय मिश्रा' अमित'



दीपावली की साफ सफाई,झालर लगाने की तैयारी में कई दिनों से जुटा था। हाड़तोड़ मेहनत के कारण थक कर चूर चूर हो गया था। इसलिए दीपावली की रात पूजा पाठ करने के उपरांत बिस्तर पर जाते ही घोड़ा बेचकर सो गया था।तभी बाहर से आते जिंदाबाद - मुर्दाबाद के नारों से मेरी नींद टूट गई। चुनावी दौर तो है नहीं फिर कौन नासमझ लोग हैं, जो कि इतनी रात को जूलूस लेकर निकले हैं? सोचते सोचते बिस्तर से उठा।आंखे मलते हुए घर के बाहर जाकर देखा तो यह देखकर दंग रह गया कि अलग-अलग राजनैतिक पार्टी के रावण एकत्रित होकर अपनी-अपनी बातें बढ़ा चढ़ा कर बता रहे हैं।वे जनता- मतदाता को रिझाने एक से बढ़कर एक लुभावने घोषणा भी कर रहे हैं। जैसे दीवाली के समय बाजार में दुकानदार बड़े बड़े आफर देते हैं। इस अकल्पनीय दृष्य को देखकर मेरी नींद पूरी तरह से उड़ गई। मैं कान लगाकर उनकी बात ध्यान से सुनने लगा।

मैंने देखा फूल गोभी छाप पार्टी का रावन फूलगोभी छाप पर मुहर लगाने की अपील करते हुए बोल रह था- हमारा देश किसानों का देश है।हरेक किसान को अपनी मेहनत के बल पर जीने का पूरा हक है। हमने देखा है कि सूखे -अकाल की स्थिति में किसान परिवार भूखा- प्यासा मर जाता है। इसका निदान करनेके लिए हमने ऐसे शिविर लगाने का निर्णय लिया है, जहां कि किसान परिवारों को महीनों भूखा-प्यासा रहने का निःशुल्क प्रशिक्षण देंगे। हमारी पूरी कोशिश होगी कि हर वर्ष सूखा अकाल पड़े ताकि हमारे किसान भाई भूखा रहकर भी जिंदा रहने अभ्यस्त हो सकें। फूलगोभी छाप पार्टी के रावण की बात समाप्त होते ही सांड छाप पार्टी का रावण उठ खड़ा हुआ। वह बोला- जन्म से मृत्यु तक आदमी गोरस -गोबर-गोमुत्र पर आश्रित रहता है,अतः हमारी पार्टी जीतेगी तो हमारी कोशिश होगी कि स्वच्छ स्थल,शुद्ध वायु में पली बढ़ी गाय का गोरस-गोबर-गौमुत्र सभी भाई -बहिनों को निःशुल्क मिल सके। इस हेतु गांव -शहर में समस्त गोवशों को सपरिवार अर्थात गाय, भैंस,सांड ,बछड़ा, बछिया को सड़कों पर बेरोकटोक घुमने- फिरने,आराम से उठने- बैठने की आजादी हमारी पार्टी देगी। इससे कोई भी जरूरतमंद अपनी सुविधानुसार जब चाहेगा गोबर- गौमुत्र निःशुल्क प्राप्त कर लेगा। आप सभी इस बात से भी सहमत होंगे कि सड़कों पर घूमते गाय -भैंस एक प्रकार से स्पीड ब्रेकर का काम भी करते हैं,अतः स्पीड ब्रेकर बनाकर या घुमंतु गाय बैलों के लिए गौठान बनाकर धनराशि को बर्बाद करने के बजाय हमारी पार्टी उसी धनराशि से दाना भूसा खरीद कर सड़कों पर बैठे गोवंश के बीच वितरित करेगी। तभी बोतल छाप पार्टी का रावण लड़खड़ाते हुए आया। उसकी लाल आंखें बयां कर रही थीं कि उस पर अंग्रेजी सवार है।आगे आकर वह बोला- माई डीयर फ्रेंड्स,आई नो वेरी वेल हमारा प्यारा देश अलग-अलग नशाखोरी में आकंठ डूब गया है।आए दिन बड़ी संख्या में प्यारे नशेड़ी भाई मौत के मुंह में जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में हमारी माताएं- बहनें विधवा होकर नर्क की जिंदगी जीने को विवश हैं।भाईयों और बहनों अगर हमारी पार्टी की सरकार बनती है तो हम ऐसी माता- बहिनों का विशेष ध्यान रखेगें। उनकी जिन्दगी को स्वर्ग बनाने के लिए घर- घर में सर्वसुविधायुक्त विधवा आश्रम खुलवा देंगे।तभी चिमटा-घंटी धारी स्वेत - भगवा- हरा वस्त्रों से सुसज्जित रावण सामने आया। वह सर्वधर्म समभाव की लच्छेदार बातें करते हुए बोला- हमारी पार्टी जीतेगी तो जाति धर्म देखे बिना ही एक के साथ एक फ्री की नीति को अपनाएंगे,अर्थात एक मृत्यु संस्कार के साथ एक मृत्यु संस्कार मुफ्त करेगें। हर किस्म के पूजा पाठ की दक्षिणा में पचास प्रतिशत की कटौती करेंगें। शनि को शांत करके कुबेर को घर घर पहुंचाएंगे।

उनकी बकवास सुनते सुनते मेरी आत्मा मुझे धिक्कारने लगी। अंतरात्मा से आवाज आई -असली रावण को तो राजा राम ने मारा था। तुम रामवंशी हो, रामभक्त हो आखिर और कब तक ऐसे बहुरूपिय रावणों से छलाते रहोगे। "कुत्ते की आंख इक्कीस दिन में खुलती है,पर आदमी आंख खुलने में इक्कीस वर्ष लग जाते हैं" यह बात सुनी तो थी पर आज उसे प्रत्यक्ष देख भी रही हूं। ओ रामभक्त, हनुमान भक्त आखिर कब खुलेगी तुम्हारी आंख ...उठो... जागो... और ऐसे बहुरूपिए रावणों का वंश नाश करो। इन्हें मारने तुम्हें ही राम बनना होगा। तुम्हें ही हनुमान बनना होगा।

अपनी आत्मा की ऐसी ललकार से मेरे भीतर के राम, मेरे भीतर के हनुमान,मेरे भीतर के गांधी जाग उठे। मैं रौद्र रूप लिए,दहाड़ते हुए बहुरूपिए रावणों की ओर दौड़ा। मेरे भीतर बसे राम - हनुमान- गांधी की शक्ति को बाहर आते देखकर वे दुम दबाकर भाग निकले।उन्हें भागते देखकर मुझे नाट्य लेखक प्रेम साइमन जी की यह पंक्तियां याद आ गई "जो व्यक्ति अपनी रक्षा के लिए स्वंय खड़े नहीं होते हैं ,ईश्वर भी उनकी रक्षा करने नहीं आते हैं।

एक नजर

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार



बीजापुर, 6 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शादी का झांसा देकर नाबालिग से कई बार दुष्कर्म करने के मामले में आवापल्ली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान सामनाथ तामो (23 वर्ष), निवासी ग्राम तुमिरगुंडा, थाना बारसूर, जिला दंतेवाड़ा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी मई 2025 से आवापल्ली थाना क्षेत्र की एक नाबालिग को शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म कर रहा था। इस दौरान पीड़िता गर्भवती हो गई और उसने बच्चे को जन्म दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर आवापल्ली थाने में अपराध क्रमांक 17/2026 के तहत बीएनएस की धारा 137(2), 87, 64(2)(ड) एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने 3 नवंबर 2026 को आरोपी को उसके गृह ग्राम तुमिरगुंडा से गिरफ्तार किया। इसके बाद उसे दंतेवाड़ा स्थित माननीय एफटीसी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

पंचायत सचिव भर्ती प्रक्रिया में विसंगतियों पर तत्काल रोक लगाए सरकार : तुलिका कर्मा

दंतेवाड़ा, 6 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं जिला पंचायत सदस्य तुलिका कर्मा ने बस्तर संभाग में चल रही पंचायत सचिव भर्ती प्रक्रिया में गंभीर विसंगतियों का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार से



भर्ती प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। तुलिका कर्मा ने कहा कि पंचायत सचिव भर्ती के लिए निर्धारित अर्हता एवं अतिरिक्त अंक देने के प्रावधानों के कारण ग्रामीण पृष्ठभूमि के बेरोजगार युवाओं को चयन प्रक्रिया से बाहर होना पड़ रहा है। डीसीए के ऊपर पीजीडीसीए, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकेंडरी के ऊपर स्नातक तथा स्नातकोत्तर उपाधि पर अतिरिक्त अंक देने जैसे प्रावधान ग्रामीण युवाओं के लिए प्रतिकूल साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहा है। यहां के ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षों तक शिक्षा और विकास की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई। ऐसे में पंचायत सचिव जैसे मैदानी पदों पर भर्ती के दौरान स्थानीय परिस्थितियों और ग्रामीण युवाओं की शैक्षणिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखना आवश्यक है। तुलिका कर्मा ने मांग की कि पंचायत सचिव पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण एवं कंप्यूटर डिप्लोमा (डीसीए) के आधार पर चयन का प्रावधान किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को अवसर मिल सके। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि भर्ती प्रक्रिया में लागू नियमों एवं अतिरिक्त अंकों के प्रावधानों की पुनः समीक्षा की जाए और विसंगतियों को दूर करने तक वर्तमान भर्ती प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए।

सौर ऊर्जा से जगमगाया नारागांव

रायपुर, 6 नवंबर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले का नारागांव स्वच्छ ऊर्जा, महिला सशक्तीकरण और सामुदायिक सहभागिता की दिशा में एक नई पहचान बना रहा है। जिले की 'सोलर दीदियों' के अथक प्रयासों और सामूहिक पहल से नारागांव प्रदेश का पहला ऊर्जीकृत गांव बनकर उभरा है। गांव के 150 से अधिक घरों में 2 किलोवॉट के सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे 300 किलोवॉट विद्युत का उत्पादन हो रहा है। यह उपलब्धि न केवल स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता का भी सशक्त उदाहरण है। नारागांव में सौर ऊर्जा के विस्तार में 'सोलर दीदियों' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन महिलाओं ने ग्रामीण परिवारों से संपर्क कर उन्हें सौर ऊर्जा के लाभों की जानकारी दी और घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराने के लिए प्रेरित किया।

दैनिक 'तरुण छत्तीसगढ़' के खुलासे के बाद एक्शन में प्रशासन

महारानी अस्पताल का नेत्र विभाग बना घोटालों का अड्डा

■ 'लाइफलाइन एक्सप्रेस' और आयुष्मान योजना में लाखों का फर्जीवाड़ा बेनकाब !

■ मृण्मय बारोई



जगदलपुर / बस्तर 6 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर संभाग के सबसे बड़े जीवनदायिनी कहे जाने वाले महारानी अस्पताल का नेत्र विभाग इन दिनों गंभीर अनियमितताओं, घोटालों और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं के चलते सुर्खियों में है। दैनिक 'तरुण छत्तीसगढ़' अखबार के जिला प्रतिनिधि मृण्मय बारोई द्वारा इस विभाग में चल रही धांधलियों को लगातार प्रमुखता से उठाए जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग के कान खड़े हो गए हैं। अखबार की खबरों और पीजी पोर्टल पर की गई शिकायतों के बाद आखिरकार प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए डॉ. सरिता थॉमस को नेत्र विभाग के नोडल अधिकारी के प्रभार से मुक्त कर दिया है और उनकी जगह सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. संजय प्रसाद को नया नोडल प्रभार सौंपा है।

पदमोह खत्म नहीं: रोस्टर पर अवैध हस्ताक्षर और प्रभार न सौंपने से लीपापोती की आशंका : कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आदेश जारी किए जाने के बावजूद, प्रशासनिक अनुशासन को ताक पर रखने का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। नोडल पद से हटाए जाने के बाद भी मैडम का 'पदमोह' कम होने का नाम नहीं ले रहा है। वे न केवल नवनियुक्त नोडल अधिकारी को प्रभार सौंपने से कतरा रही हैं, बल्कि ड्यूटी रोस्टर पर अब भी 'नोडल अधिकारी' के रूप में धड़ल्ले से हस्ताक्षर कर रही हैं।

जानकारों का मानना है कि यह कृत्य प्रथम दृष्टया सिविल सेवा आचरण नियमों के गंभीर विपरीत है। यह न केवल वरिष्ठ प्रशासनिक आदेशों की खुली अवहेलना है, बल्कि पद की मर्यादा और विभागीय अनुशासन पर भी बड़े सवाल खड़े करता है। विभागीय गलियारों में चर्चा है कि प्रभार हस्तांतरित करने में की जा रही यह देरी और अवैध रूप से किए जा रहे हस्ताक्षर इस बात की पुख्ता गवाही दे रहे हैं कि वे अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कथित घोटालों, अनियमितताओं और गलत कार्यों पर पर्दा डालने तथा उनकी लीपापोती करने में जुटी हुई हैं। संबंधित उच्च अधिकारियों को इस गंभीर मामले का तत्काल संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

'लाइफलाइन एक्सप्रेस' और आयुष्मान योजना में बड़ा घोटाला: दैनिक 'तरुण छत्तीसगढ़' द्वारा किए गए खुलासे के अनुसार, अप्रैल 2022 में जगदलपुर रेलवे स्टेशन पहुँची 'लाइफलाइन एक्सप्रेस' इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन के माध्यम से दुर्गम व ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब मरीजों को निशुल्क मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा एवं ऑपरेशन उपलब्ध कराई गई थी। इस ट्रेन में बस्तर जिले के किसी भी स्थानीय डॉक्टर को मोतियाबिंद ऑपरेशन करने की अनुमति नहीं थी।

इसके बावजूद, महारानी अस्पताल के तत्कालीन आयुष्मान नोडल अधिकारी डॉ. भंवर लाल शर्मा और नेत्र नोडल अधिकारी डॉ. सरिता थॉमस पर गंभीर आरोप हैं कि उन्होंने मिलीभगत कर लाइफलाइन एक्सप्रेस में हुए 436 मोतियाबिंद ऑपरेशनों को जिला चिकित्सालय जगदलपुर के नाम से आयुष्मान योजना में ब्लॉक कर दिया। दस्तावेजों के अनुसार, इन ऑपरेशनों को करने वाले अन्य चिकित्सक थे, परंतु शासन को गुमराह कर जिला अस्पताल के नाम पर लगभग 25 से 30 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का बंदरबांट कर लिया गया। अखबार के पास उपलब्ध दस्तावेजों से जब मरीजों और डॉक्टरों के नामों का मिलान किया गया, तो इस पूरे फर्जीवाड़े की कलई खुल गई।

ओपीडी में डॉक्टर नदारद, दलाल मरीजों को भेज रहे प्राइवेट क्लीनिक : अखबार की ग्राउंड रिपोर्ट में यह भी सामने आया था कि महारानी अस्पताल के नेत्र विभाग में नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। ड्यूटी रोस्टर में नाम होने के बावजूद कई बार चिकित्सक और कर्मचारी नदारद मिले। ओपीडी में इलाज के लिए आने वाले सीधे-साधे मरीजों को अस्पताल परिसर में सक्रिय दलाल सरकारी इलाज के बजाय डॉ. सरिता थॉमस के प्राइवेट क्लीनिक का रास्ता दिखाते नजर आए। वहीं, दूसरी ओर जिला मुख्यालय में अटैच चहेते कर्मचारियों को ओपीडी ड्यूटी से बचाकर दूरदराज के ग्रामीण इलाकों के नेत्र सहायकों को जबरन जगदलपुर बुलाकर ओपीडी का काम थोपा जा रहा है।

बस्तर की जनता अब यह उम्मीद लगाए बैठी है कि स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप कर अविलंब प्रभार हैंडओवर करवाएंगे और नियमों की धज्जियां उड़ाने तथा घोटालों को अंजाम देने वाले जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई कर बस्तर की स्वास्थ्य व्यवस्था को पारदर्शी बनाएंगे।

बस्तर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 2 करोड़ 38 लाख का 476 किलो गांजा जब्त, 3 नाबालिग समेत 7 तस्कर गिरफ्तार



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर 6 नवंबर। बस्तर पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ एक और ऐतिहासिक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ओडिशा के रास्ते उत्तर प्रदेश गांजा तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने पिकअप वाहन में छिपाकर ले जाया जा रहा 476.500 किलोग्राम गांजा जप्त किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस अवैध मादक पदार्थ की कीमत करीब दो करोड़ अड़तीस लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने इस कार्रवाई में तीन नाबालिगों सहित कुल सात तस्करों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस लगातार नशे के सौदागरों और अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। इसी कड़ी में थाना बोधघाट पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की पिकअप में ओड़िशा की ओर से भारी मात्रा में गांजा भरकर जगदलपुर के रास्ते ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए ग्राम अड़ावाल रेलवे फाटक के पास घेराबंदी की।

?कार्रवाई के दौरान पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे तस्करों को दबोच लिया गया। तस्कर पुलिस को चकमा देने के लिए आगे-आगे एक मोटरसाइकिल से पायलेटिंग (रास्ता दिखाते हुए) कर रहे थे, जिसके पीछे गांजा लोड पिकअप वाहन आ रहा था। पुलिस ने जब पिकअप की तलाशी ली, तो उसमें भरी 15 बोरियों से कुल 476 किलो से अधिक गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने तस्करों के पास से गांजे के अलावा पिकअप वाहन, पायलेटिंग में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, छह नग टच स्क्रीन मोबाइल फोन और नकद राशि भी जप्त कर ली है।

ओडिशा के मलकानगिरी जिले से जुड़े इन आरोपियों के खिलाफ थाना बोधघाट में एनडीपीएस एक्ट के तहत गंभीर धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर विशेष एनडीपीएस न्यायालय जगदलपुर भेज दिया गया है। बस्तर पुलिस की इस मुस्तैद और ताबड़तोड़ कार्रवाई से नशे के अवैध कारोबार में जुड़े तत्वों में हड़कंप मच गया है, जिसकी चौतरफा सराहना की जा रही है।

केजी हिल्स के जंगल में माओवादियों का डंप बरामद, 711 बीजीएल सेल जब्त



■ ताड़पाला एफओबी से डेढ़ किलोमीटर दूर सुरक्षा बलों की संयुक्त सर्चिंग में मिली बड़ी सफलता

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 6 नवंबर। बीजापुर जिले में माओवादी गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। थाना उसूर क्षेत्रांतर्गत ताड़पाला स्नहक्कके समीप केजी हिल्स के जंगल में सर्चिंग के दौरान माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए 711 बीजीएल सेल बरामद किए गए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, विश्वसनीय सूचना के आधार पर जिला पुलिस बीजापुर, केरिपु की 196वीं वाहिनी और 204 कोबरा की संयुक्त टीम ने 5 नवंबर को ताड़पाला स्नहक्कके आसपास के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान स्नहक्कसे लगभग डेढ़ किलोमीटर उत्तर-पश्चिम दिशा में केजी हिल्स के समीप तलाशी लेने पर माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए 711 नग बीजीएल सेल मिले। सुरक्षा बलों ने निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए विस्फोटक सामग्री को सुरक्षित कब्जे में लिया।

करेंगुट्टा की पहाड़ियों में अब भी खतरा: पुलिस ने आम नागरिकों से करेंगुट्टा और आसपास की पहाड़ियों में फिलहाल जाने से परहेज करने की अपील की है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, क्षेत्र में अभी भी बारूदी सुरंग अथवा अन्य विस्फोटक सामग्री मौजूद होने की आशंका है। ऐसे में आम नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने की सलाह दी गई है। पुलिस के मुताबिक, भविष्य में निर्धारित कार्ययोजना के तहत संबंधित क्षेत्र में डी-माइनिंग अभियान चलाकर बारूदी सुरंगों और विस्फोटक सामग्री को निष्क्रिय किया जाएगा। तब तक ग्रामीणों और आम नागरिकों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।

गन्ना किसानों को अब 425 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा खरीदी मूल्य

रायपुर 6 नवंबर। छत्तीसगढ़ में गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने गन्ने का खरीदी मूल्य बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। इसके साथ ही किसानों को बोनस का लाभ भी दिया जा रहा है। सूरजपुर जिले के माँ महामाया शक्कर कारखाना केरता में गुरुवार को आयोजित आभार एवं कृषक चौपाल कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किसानों को बोनस राशि वितरित की। गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के निर्णय पर किसानों ने राज्य सरकार के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के मजबूत आधार हैं। उनके परिश्रम से ही देश की खाद्यान्न जरूरतें पूरी होती हैं। किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की प्रगति का आधार है। मंत्री ने कहा कि सरगुजा अंचल के गन्ना उत्पादक किसानों की जरूरतों और मांग को देखते हुए माँ महामाया शक्कर कारखाने की स्थापना की पहल की गई थी। इसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के साथ क्षेत्र में कृषि आधारित औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देना था। अब कारखाने को और विकसित करने तथा वैल्यू एडिशन के माध्यम से इसकी आर्थिक संभावनाएं बढ़ाने की जरूरत है।कृषि मंत्री ने किसानों से धान के साथ दलहन और तिलहन जैसी वैकल्पिक फसलों को भी अपनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि धान के स्थान पर इन वैकल्पिक फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए निर्धारित प्रावधानों के तहत किसानों को 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

बस्तर ओलंपिक में पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

बोले- ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलेगा आगे बढ़ने का मंच



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर/भोपालपटनम 06 नवम्बर। भोपालपटनम मंडल में आयोजित ब्लॉक स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2026 में छत्तीसगढ़ वॉलीबॉल संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री महेश गागड़ा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में ग्रामीण अंचलों से पहुंचे युवा खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन के दौरान खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए महेश गागड़ा ने कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बस्तर की समृद्ध संस्कृति, आपसी एकता और ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम है। बस्तर के युवाओं में खेल के प्रति जुनून और उत्साह सराहनीय है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और जिला, प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि खेलों से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। बस्तर की युवा शक्ति में अपार संभावनाएं हैं। जरूरत है उन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन देने की। बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन निश्चित रूप से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष पेरे पुलैया, मंडल अध्यक्ष नरसिंह रेड्डी सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

वन्यजीव तस्करी का बड़ा खुलासा, पैंगोलिन के शल्क और तेंदुए की खाल बरामद

■ वन विभाग ने की 6 लोगों के खिलाफ कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बीजापुर 6 नवंबर। जिले में वन्यजीवों के अवैध शिकार और उनके अंगों की तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पैंगोलिन के 9.260 किलोग्राम शल्क (स्केल) और तेंदुए की एक खाल बरामद की है। वन विभाग की टीम ने दो अलग-अलग गांवों में दबिश देकर कुल छह आरोपियों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में वन्यजीवों के अंगों के संगठित अवैध कारोबार से जुड़े अहम सुराग मिलने की बात सामने आई है।

जानकारी के अनुसार डीएफओ वनमंडल बीजापुर को मिली सूचना के आधार पर टीम ने पहली कार्रवाई गंगालूर तहसील के ग्राम रेड्डी में की। यहां दबिश के दौरान 9.260 किलोग्राम पैंगोलिन के शल्क बरामद किए गए। मौके से चार आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। पूछताछ के दौरान मिले सुरागों के आधार पर वन विभाग की टीम ने दूसरी कार्रवाई आवापल्ली तहसील के ग्राम मल्लेपल्ली, बासागुड़ा में की। यहां से तेंदुए की एक खाल बरामद हुई और दो अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया गया।

दोनों कार्रवाइयों में कुल छह आरोपियों को हिरासत में लेकर वन विभाग आगे की जांच में जुटा है। विभाग इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और इसके नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रहा है। गौरतलब है कि पैंगोलिन और तेंदुआ दोनों वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-द्ध में शामिल अति संरक्षित वन्यजीव हैं। इनका शिकार करना, इनके अंगों को रखना या इनका अवैध व्यापार करना गंभीर दंडनीय अपराध है। मामले में वन विभाग ने अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत वन अपराध प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

डीएफओ सागर जाधव वनमण्डलाधिकारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वन्यजीवों के शिकार, वन्यजीव अंगों के संग्रहण अथवा अवैध खरीद-बिक्री से जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल नजदीकी वन कार्यालय को दें, ताकि वन्यजीवों के संरक्षण और तस्करी पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।



प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना से 15 युवाओं को मिला व्यावसायिक माली प्रशिक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 6 नवंबर। जुगल किशोर डंडौतिया प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत जिले के ग्रामीण एवं स्थानीय युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से स्वरोजगार से जोड़ने की पहल की जा रही है। इसी कड़ी में उद्यानिकी विभाग द्वारा किरंदुल स्थित शासकीय रोपणी में आयोजित 200 घंटे का व्यावसायिक माली प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें क्षेत्र के 15 चयनित युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त कर आधुनिक बागवानी एवं उद्यानिकी तकनीकों का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान हासिल किया। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को वैज्ञानिक तरीके से पौधरोपण, नर्सरी प्रबंधन, कलम बांधने की तकनीक, जैविक खाद निर्माण, पौधों में लगने वाले कीट एवं रोगों की पहचान और उनके नियंत्रण की जानकारी दी गई। इसके अलावा लैंडस्केप गार्डनिंग यानी आकर्षक उद्यान निर्माण एवं रखरखाव की तकनीकों का भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मूल्यांकन के उपरांत सभी 15 सफल प्रतिभागियों को दक्षता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। साथ ही उन्हें व्यावसायिक बागवानी का कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक औजारों से युक्त गार्डनिंग टूल-किट भी वितरित की गई। इसका उद्देश्य युवाओं को प्रशिक्षण के बाद स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं ने कार्यक्रम की गुणवत्ता और व्यावहारिक सत्रों पर संतोष जताते हुए कहा कि इससे उन्हें आधुनिक बागवानी एवं नर्सरी प्रबंधन की तकनीकों को समझने का अवसर मिला है।

संगमपल्ली में अंग्रेजी शराब दुकान खोलने का विरोध, ग्रामीणों ने किया उग्र प्रदर्शन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बीजापुर/भोपालपटनम 6 नवंबर। ग्राम पंचायत संगमपल्ली में सरकार द्वारा विदेशी (अंग्रेजी) मदिरा दुकान खोले जाने के विरोध में ग्रामीणों और आदिवासी समाज ने मोर्चा खोल दिया है। संगमपल्ली सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने दुकान के खिलाफ उग्र प्रदर्शन करते हुए इसे तत्काल बंद कर अन्यत्र हटाने की मांग की। प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों ने तहसीलदार के माध्यम से कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि संगमपल्ली आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। यहां शराब दुकान खुलने से बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे सामाजिक माहौल प्रभावित होगा, अपराध बढ़ सकते हैं और आदिवासी युवाओं का भविष्य भी खतरे में पड़ सकता है। संगमपल्ली सहित आसपास के गांवों के लोग भी इस दुकान का विरोध कर रहे हैं।

विधायक विक्रम मंडावी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर ग्रामीण स्कूल, अस्पताल, सड़क, पेयजल, बिजली और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भाजपा की डबल इंजन सरकार विकास कार्यों के बजाय ग्रामीणों को डरा-धमकाकर सरकारी शराब दुकानें खोल रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यही विकास है? भाजपा सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन को 15 तारीख तक शराब दुकान हटाने का अल्टीमेटम दिया है। उनका कहना है कि निर्धारित समय में मांग पूरी नहीं होने पर 15 तारीख के बाद शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

प्रदर्शन एवं ज्ञापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष लालू राठौर, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, शंकर कुड़ियम, मिच्छा मुतैया, मनोज यालम, सुनील उद्दे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

एक नजर

छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 11 सहबद्ध स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

रायगढ़, 6 नवम्बर। छत्तीसगढ़ के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सहबद्ध एवं स्वास्थ्य देखरेख क्षेत्र के 11 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ हो गया है। इनमें तीन डिप्लोमा और आठ स्नातक पाठ्यक्रम शामिल हैं। प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट https://cgdme.in का अवलोकन कर सकते हैं। डिप्लोमा स्तर पर एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, डायलिसिस टेक्नोलॉजी तथा मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रम शामिल हैं। स्नातक स्तर पर बैचलर ऑफ फिजिशियन एसोसिएट्स, बैचलर ऑफ साइंस हेल्थ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ रेडिएशन थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर्स ऑफ डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री तथा बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी साइंस शामिल हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थी चिकित्सा सेवाओं से जुड़े विभिन्न तकनीकी कार्यक्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रमुख कार्यक्षेत्रों में रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग, चिकित्सा प्रयोगशाला, एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर, डायलिसिस तथा ऑप्टोमेट्री शामिल हैं।रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग का कार्यक्षेत्र एक्स-रे, सीटी और एमआरआई जाँच सेवाओं से जुडे क्षेत्र में रोजगार के द्वार खुलेंगे है। चिकित्सा प्रयोगशाला का कार्यक्षेत्र पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं, रक्त बैंकों और शोध प्रयोगशालाओं तक विस्तृत है। इसी प्रकार एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर से संबंधित भूमिकाएँ शल्य कक्ष, गहन चिकित्सा इकाई और आपातकालीन विभाग में होती हैं।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सीखी विद्युत उत्पादन की प्रक्रिया



रायगढ़, 6 नवम्बर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोतरलिया, जिला रायगढ़ के 43 छात्र-छात्राओं ने गत दिवस विद्युत उत्पादन संयंत्र का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विद्युत उत्पादन की प्रक्रिया, औद्योगिक संयंत्रों की कार्यप्रणाली, सुरक्षा मानकों तथा ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार एवं कैरियर की संभावनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि विद्युत संयंत्र में बिजली का उत्पादन किस प्रकार किया जाता है तथा इसके संचालन में विभिन्न तकनीकी उपकरणों और प्रक्रियाओं की क्या भूमिका होती है। साथ ही औद्योगिक परिसर में सुरक्षा नियमों का पालन, कर्मचारियों की कार्यप्रणाली, अनुशासन और टीमवर्क के महत्व से भी परिचित कराया गया। विद्यार्थियों ने इंजीनियरिंग, तकनीकी शिक्षा, विद्युत एवं यांत्रिक क्षेत्र सहित औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में भविष्य निर्माण की संभावनाओं को भी समझा। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और व्यावसायिक जागरूकता विकसित करना था।इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ विद्यालय के व्याख्याता विजय कुमार बारीक, श्रीमती शारदा पटेल, श्रीमती विभा आचार्य एवं श्रीमती माधुरी इनकाने उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य चूड़ामणी पटेल एवं समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों के इस शैक्षणिक अनुभव की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिले में शुरू हुई उर्वरक वितरण की टोकन व्यवस्था

महासमुंद, 6 नवंबर। किसानों को समय पर, गुणवत्तापूर्ण एवं उचित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराने महासमुंद जिले सहित पूरे प्रदेश में उर्वरक वितरण की नई व्यवस्था फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफएफएस) का शुभारंभ किया गया है। इस व्यवस्था के तहत अब किसान मोबाइल एप के माध्यम से सेवा केंद्रों, सहकारी समितियों अथवा निजी उर्वरक विक्रेताओं से उर्वरक प्राप्त करने के लिए टोकन जारी करवा सकेंगे। इससे उर्वरक वितरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल एवं सुविधाजनक होगी।

नई व्यवस्था के अंतर्गत किसानों को सबसे पहले अपने मोबाइल में 'एफएफएस मोबाइल एप' डाउनलोड करना होगा।

कुरूद में बस स्टॉपेज के लिए बड़े अधिकारियों की सक्रियता तेज

लंबे इंतजार के बाद जागा प्रशासन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



कुरूद, 6 नवंबर। रायपुर-धमतरी और धमतरी-रायपुर मार्ग पर चलने वाले बसों को कुरूद बस स्टैंड में बस का ठहराव दिलाने की मांग ने पकड़ा जोर, अधिकारियों और कर्मचारियों की हलचल से बढ़ी

लंबे समय से कुरूद में बस स्टॉपेज की मांग उठती रही, लेकिन अब इस दिशा में प्रशासनिक स्तर पर हलचल तेज होती दिखाई दे रही है। रायपुर से धमतरी और धमतरी से रायपुर के बीच संचालित गाड़ी का कुरूद में ठहराव सुनिश्चित कराने को लेकर 5 नवंबर को सुबह से ही बड़े अधिकारियों से लेकर विभागीय अधिकारी-कर्मचारी तक सक्रिय नजर आ रहे हैं।कुरूद क्षेत्र के यात्रियों और आम नागरिकों को बस की सुविधा दिलाने के लिए यह मांग लंबे समय से महत्वपूर्ण बनी हुई है। स्टॉपेज मिलने से कुरूद सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और रोजाना रायपुर एवं धमतरी आने-जाने वाले यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिल सकता है।

सबसे अहम बात यह है कि लंबे समय से लंबित इस मांग को लेकर अब अधिकारियों की सक्रियता बढ़ी है। इससे लोगों में उम्मीद जगी है कि कुरूद को बस का जरूरी ठहराव मिल सकेगा।

अब निगाहें निर्णय पर-क्षेत्रवासियों के बीच चर्चा है कि जब इस मांग को लेकर अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय हो चुके हैं, तो अब इसे केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। कुरूद के बस स्टैंड में स्टॉपेज की मांग पर संबंधित विभाग को ठोस निर्णय लेकर आम जनता को राहत देनी चाहिए। इस अवसर पर सूरज बंसोर तहसीलदार कुरूद, शिव भगत रावटे धमतरी आरटीओ ऑफिस, रागिनी मिश्रा एसडीओपी कुरूद, नगर पालिका सीएमओ महेंद्र राज गुप्ता, एवं यातायात के टीम सक्रिय रूप से बस को बस स्टैंड मेंअंदर लाने के लिए लगे रहे यदि यात्री बस स्टैंड में स्टॉपेज नहीं करेंगे तो ?2000 ,चालान काटने की हिदायत दी गई है ।

दीपावली पर पटाखे जलाते समय बरतें विशेष सावधानी, अग्नि सुरक्षा के नियमों का करें पालन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 6 नवम्बर । दीपावली का पर्व खुशियों, रोशनी और उत्साह का प्रतीक है। इस दौरान आतिशबाजी और पटाखों का उपयोग भी बड़े पैमाने पर किया जाता है। हालांकि, थोड़ी सी लापरवाही आगजनी की बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। त्योहार के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए पटाखा दुकानों में अग्नि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के साथ ही पटाखे जलाते समय निर्धारित सावधानियों का पालन करना बेहद जरूरी है। विशेष रूप से पटाखा कारोबारियों, दुकानदारों, अभिभावकों और आम नागरिकों को अग्नि सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक रहना चाहिए, ताकि दीपावली का पर्व सुरक्षित और खुशहाल वातावरण में मनाया जा सके।

पटाखा दुकानों में अग्नि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम जरूरी

जिला सेनानी एवं जिला अग्नि शमन अधिकारी ने बताया कि पटाखों का कारोबार अत्यधिक संवेदनशील होने के कारण दुकानों के निर्माण से लेकर विद्युत व्यवस्था और अग्निशमन संसाधनों तक विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है। सुरक्षा के लिहाज से पटाखा दुकानें कपड़े, बांस, रस्सी, टेंट अथवा अन्य ज्वलनशील सामग्री से निर्मित नहीं होनी चाहिए। दुकानों का निर्माण अज्वलनशील सामग्री से बने टिन शेड में किया जाना चाहिए। इसके साथ ही दो पटाखा दुकानों के बीच कम से कम तीन मीटर की दूरी रखना जरूरी है। दुकानों को एक-दूसरे के ठीक सामने भी नहीं बनाया जाना चाहिए, ताकि किसी दुर्घटना की स्थिति में आग को फैलने से रोका जा सके और बचाव कार्य में परेशानी न हो।

दुकानों में प्रकाश व्यवस्था के लिए तेल के लैम्प, गैस लैम्प अथवा खुली बिजली बत्ती का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। विद्युत तारों के जोड़ खुले नहीं होने चाहिए तथा प्रत्येक मास्टर स्विच में फ्यूज या सर्किट ब्रेकर लगा होना चाहिए, जिससे शॉर्ट सर्किट होने की स्थिति में विद्युत प्रवाह स्वतः बंद हो सके। पटाखा दुकानें ट्रांसफार्मर के समीप नहीं होनी चाहिए और न ही उनके ऊपर से उच्च क्षमता वाली विद्युत लाइन गुजरनी चाहिए। इसके अलावा किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के दायरे में आतिशबाजी का प्रदर्शन प्रतिबंधित रखा जाना चाहिए।

हर दुकान में अग्निशमन यंत्र और पानी की व्यवस्था अनिवार्य

आगजनी की स्थिति में तत्काल नियंत्रण और बचाव के लिए प्रत्येक पटाखा दुकान में पांच किलोग्राम क्षमता का डीसीपी (ड्राई केमिकल पाउडर) अग्निशामक यंत्र उपलब्ध होना चाहिए। दुकानों के सामने निश्चित अंतराल पर 200 लीटर क्षमता वाले पानी के ड्रम रखे जाने चाहिए। साथ ही बाल्टियों में रेत भरकर रखनी चाहिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर आग बुझाने में तत्काल इनका उपयोग किया जा सके। पटाखा दुकानों के सामने बाइक अथवा कार की पार्किंग नहीं होनी चाहिए। इससे आपातकालीन स्थिति में अग्निशमन वाहनों की आवाजाही बाधित हो सकती है। दुकानों के आसपास अग्निशमन विभाग और एम्बुलेंस के संपर्क नंबर प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए जाने चाहिए। इसके अलावा अग्निशमन वाहनों के आवागमन के लिए पर्याप्त खुला रास्ता रखना भी आवश्यक है, ताकि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य तेजी से किया जा सके।

पटाखे खरीदते समय गुणवत्ता और सुरक्षा का रखें ध्यान

आम नागरिकों को भी पटाखे खरीदने से लेकर उन्हें जलाने तक विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। हमेशा लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से ही पटाखे खरीदें और यह सुनिश्चित करें कि पटाखे गुणवत्ता एवं निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप हों। पटाखे जलाने के लिए घरों, वाहनों और ज्वलनशील पदार्थों से दूर किसी बड़े खुले मैदान का चयन करें। पटाखे जलाते समय पास में पानी से भरी बाल्टी अवश्य रखें, ताकि आकस्मिक आग लगने की स्थिति में तत्काल बचाव किया जा सके। पटाखे जलाते समय सूती कपड़े पहनना अधिक सुरक्षित होता है, क्योंकि सिंथेटिक कपड़े आग की चपेट में जल्दी आ सकते हैं। बच्चों को कभी भी अकेले पटाखे न जलाने दें। उनकी निगरानी के लिए किसी जिम्मेदार वयस्क का साथ रहना जरूरी है। एक समय में एक ही पटाखा जलाएं और उसे जलाने के बाद पर्याप्त सुरक्षित दूरी बना लें। पटाखे जलाते समय हवा की दिशा का भी ध्यान रखें, ताकि चिंगारी किसी व्यक्ति, घर या आसपास रखी ज्वलनशील वस्तु की ओर न जाए। आतिशबाजी समाप्त होने के बाद इस्तेमाल किए गए पटाखों को पानी की बाल्टी में डालकर सुरक्षित तरीके से निपटान करें। इससे पटाखों में बची हुई चिंगारी से दोबारा आग लगने की आशंका समाप्त की जा सकती है। सुरक्षित दीपावली के लिए कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना भी जरूरी है। घर के अंदर, खिड़कियों के पास अथवा बंद स्थानों में पटाखे बिल्कुल न जलाएं। पटाखे जलाते समय ढीले या लटकने वाले कपड़े पहनने से बचें। पटाखों का उपयोग सूखी पत्तियों, गैस सिलेंडर, वाहनों और अन्य ज्वलनशील पदार्थों के आसपास न करें।

यदि कोई पटाखा जलाने पर नहीं फूटता है तो उसे दोबारा जलाने का प्रयास न करें। कुछ समय प्रतीक्षा करने के बाद उसे पानी में डालकर सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करें। ऐसे स्थानों पर पटाखे न जलाएं, जहां आग लगने की स्थिति में आपातकालीन निकास मार्ग बाधित हो सकता है। इसी तरह तेल के दीये और मोमबत्तियां जलाकर उन्हें कभी भी लावारिस न छोड़ें। विशेष रूप से पर्दों, कपड़ों और अन्य ज्वलनशील वस्तुओं के पास इन्हें जलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें। किसी भी प्रकार की चोट अथवा जलने की घटना होने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लें। बिना चिकित्सकीय मार्गदर्शन के घरेलू उपचार करने से बचें।

सतर्कता और जागरूकता से मनाएं सुरक्षित दीपावली

दीपावली का वास्तविक आनंद तभी है, जब खुशियों के इस पर्व पर हर परिवार सुरक्षित रहे। पटाखा कारोबारियों द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन, दुकानों में अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता और आम नागरिकों द्वारा आवश्यक सावधानियां बरतने से आगजनी की घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। इसलिए स्वयं भी सतर्क रहें और बच्चों सहित आसपास के लोगों को भी अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करें, ताकि दीपावली का पर्व बिना किसी दुर्घटना के हर्षोल्लास और सुरक्षित वातावरण में मनाया जा सके।

समाचार संक्षेप

बालसमुंद कुष्ठ आश्रम में आयोजित सुरक्षा एवं विकृति बचाव शिविर में मरीजों को दी गई विशेष देखभाल की जानकारी



रायगढ़, 6 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत आज बालसमुंद कुष्ठ आश्रम में सुरक्षा एवं विकृति बचाव शिविर (पीओडी कैंप) का आयोजन किया गया। शिविर में कुष्ठ रोग से दिव्यांगता के शिकार मरीजों को हाथ-पैर एवं आंखों की नियमित देखभाल करने तथा विकृति से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल जगत, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैंकरा, जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. अविनाश चंद्रा, नोडल अधिकारी डॉ. जावेद तथा लोईंग विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रदीप राठौर उपस्थित रहे।इस दौरान मरीजों को बताया गया कि कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति अपने हाथ-पैर और आंखों की नियमित देखभाल करें, ताकि किसी प्रकार की चोट, घाव अथवा विकृति की स्थिति से बचा जा सके। परिवार के किसी भी सदस्य में कुष्ठ रोग के लक्षण दिखाई देने या संदेह होने पर तत्काल जांच कराने की सलाह दी गई। बालसमुंद कुष्ठ आश्रम में घाव से प्रभावित मरीजों की सुविधा के लिए प्रत्येक बुधवार को ड्रेसर द्वारा आश्रम पहुंचकर नियमित रूप से घावों की ड्रेसिंग की जाती है। शिविर के दौरान कॉलोनी के रहवासियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल जगत ने समस्याओं को कलेक्टर के संज्ञान में लाकर उनके निराकरण के लिए आवश्यक सहयोग करने का आश्वासन दिया। शिविर के आयोजन में फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अनीता पटेल, श्री एम.पी. साहू, एनएमए श्री एच.एल. नायक, श्री विकास खूंटे, श्री उमेश पटेल, कार्यकर्ता एवं मितानिन श्रीमती शांति बाई का सहयोग रहा।

रेलवे मालगोदाम श्रमिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित



रायगढ़, 6 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । रेलवे मालगोदाम में कार्यरत श्रमिकों के स्वास्थ्य की देखभाल और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को रायगढ़ के सिंधी भवन, पक्की खोली में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं विभिन्न जांचों की सुविधा उपलब्ध कराई गई।भारतीय रेलवे मालगोदाम श्रमिक संघ की छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई के नेतृत्व में आयोजित इस पहल का उद्देश्य मालगोदामों में काम करने वाले श्रमिकों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना तथा उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के निर्देशानुसार और रेलवे प्रशासन के सहयोग से रायगढ़ एवं बाराद्वार मालगोदाम में कार्यरत श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर में श्रमिकों के रक्तचाप (बीपी), मधुमेह (शुगर), टीबी एवं कुष्ठ रोग की जांच की गई। इसके साथ ही नेत्र परीक्षण तथा आयुष्मान कार्ड से संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने श्रमिकों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों और आवश्यक उपचार के बारे में जानकारी दी।

जिला स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में तमनार और रायगढ़ विकासखंड ने मारी बाजी

रायगढ़, 6 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) । विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक क्षमता और ज्ञान के प्रति जिज्ञासा विकसित करने के उद्देश्य से पीएम श्री शासकीय नटवर विद्यालय, रायगढ़ में जिला स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। एलिमेंट्री स्तर पर तमनार विकासखंड ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि हायर सेकेंडरी स्तर पर रायगढ़ विकासखंड की टीम विजेता रही। दोनों स्तरों के विजेता विद्यार्थी आगामी 14 नवंबर को एनटीपीसी लारा द्वारा आयोजित क्विज प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस.एन. साहू एवं जिला मिशन समन्वयक श्री आलोक स्वर्णकार के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के सभी विकासखंडों से एलिमेंट्री एवं सेकेंडरी स्तर की दो-दो टीमों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं सामान्य ज्ञान से जुड़े सवालों के जवाब देकर अपनी प्रतिभा और ज्ञान का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के परिणाम-एलिमेंट्री स्तर (कक्षा 6वीं से 8वीं) में तमनार विकासखंड ने 125 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। खरसिया विकासखंड 100 अंकों के साथ दूसरे और पुसौर विकासखंड 90 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। वहीं हायर सेकेंडरी स्तर पर रायगढ़ विकासखंड ने 65 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। धर्मजयगढ़ विकासखंड 50 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। लैलूंगा और घरघोड़ा विकासखंड ने 45-45 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया।जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों को आगामी 14 नवंबर को एनटीपीसी लारा में आयोजित होने वाली क्विज प्रतियोगिता के लिए तैयार किया जाएगा। इसके लिए नियमित अभ्यास, विषयवार प्रश्नोत्तरी और मॉक क्विज के माध्यम से विद्यार्थियों की तैयारी कराई जाएगी, ताकि वे आगामी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन कर सकें। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक क्षमता, त्वरित निर्णय लेने की योग्यता और ज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना है।

इस दीपावली पक्के और सुरक्षित आशियाने में खुशियां मनाएंगी हीरामती का परिवार, पीएम आवास ने पूरा किया वर्षों पुराना सपना



रायगढ़, 6 नवम्बर। इस बार दीपावली ग्राम ननसिया की हीरामती और उनके परिवार के लिए खुशियों का नया उजाला लेकर आई है। वर्षों से कच्चे मकान में रहकर बारिश और मौसम की मार झेलने वाला परिवार अब अपने पक्के और सुरक्षित आशियाने में दीपावली मनाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना ने हीरामती के पक्के घर के वर्षों पुराने सपने को साकार कर दिया है। अब न छत से पानी टपकने की चिंता है और न ही मौसम की मार का डर। अपने नए घर में परिवार के साथ दीपों का पर्व मनाने की खुशी हीरामती के चेहरे पर साफ झलक रही है। उनके लिए यह दीपावली सिर्फ रोशनी का त्योहार नहीं, बल्कि सुरक्षित जीवन और खुशहाल भविष्य की नई शुरुआत है।

हीरामती बताती हैं कि पहले उनका परिवार मिट्टी और खपरैल से बने कच्चे मकान में रहता था। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था, जिससे घर के सदस्यों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। तेज बारिश और खराब मौसम के दौरान परिवार की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण स्वयं पक्का मकान बनवाना उनके लिए संभव नहीं था। ऐसे में एक सुरक्षित घर का सपना लंबे समय से अधूरा था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत होने से उनकी यह उम्मीद पूरी हो गई। अब परिवार को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से राहत मिली है। पक्की छत मिलने से घर के सदस्यों में सुरक्षा और भविष्य को लेकर भरोसा बढ़ा है। हीरामती के लिए यह आवास केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन और परिवार की खुशियों का नया आधार बन गया है। पक्का आवास मिलने पर हीरामती ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को अपना पक्का घर मिल रहा है। उनका परिवार भी अब सुरक्षित छत के नीचे रह सकेगा। इस बार नए घर में दीपावली मनाने की खुशी उनके लिए अविस्मरणीय रहेगी।

डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 5.0 से पेंशनरों को मिलेगी बड़ी सुविधा

रायगढ़, 6 नवम्बर । पेंशनरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 5.0 के प्रभावी क्रियान्वयन की पहल की जा रही है। इस अभियान के माध्यम से पेंशनरों को जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की प्रक्रिया में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। अब पेंशनर फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का उपयोग कर अपने मोबाइल फोन अथवा कंप्यूटर के माध्यम से घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे।भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा पेंशनरों के जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाने के उद्देश्य से फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक आधारित डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र 5.0 संस्करण जारी किया गया है। इसके माध्यम से पेंशनरों को जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने के लिए बैंक अथवा अन्य कार्यालयों में जाने की अनिवार्यता से राहत मिलेगी।

निर्धारित स्थल के बाहर पटाखों का विक्रय करने पर प्रशासन की कार्रवाई, पतरापाली में पटाखे जब्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



रायगढ़, 6 नवम्बर। दीपावली पर्व पर आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पटाखों के अवैध भंडारण एवं विक्रय पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन सख्त है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिले में अस्थायी पटाखा दुकानों के संचालन, निर्धारित विक्रय स्थलों और सुरक्षा मानकों की निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में आज नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत पतरापाली स्थित श्री ओम पटाखा बाजार के विक्रेता दिनेश पटेल द्वारा सड़क किनारे अवैध रूप से पटाखे रखकर विक्रय किए जाने पर राजस्व विभाग एवं नगर निगम की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। इस दौरान निर्धारित एवं अनुमोदित विक्रय स्थल के बाहर रखे गए पटाखों को जब्त कर आवश्यक कार्रवाई की गई।

गौरतलब है कि जिला प्रशासन द्वारा जारी अस्थायी आतिशबाजी विक्रय अनुज्ञप्ति की शर्तों के अनुसार पटाखों का भंडारण एवं विक्रय केवल प्रशासन द्वारा निर्धारित एवं अनुमोदित स्थल पर ही किया जा सकता है। अनुज्ञप्ति केवल नामांकित व्यक्ति, स्वीकृत स्थल और निर्धारित अवधि के लिए मान्य है। किसी अन्य स्थान पर पटाखों का भंडारण अथवा विक्रय करना प्रतिबंधित है।

प्रत्येक अस्थायी पटाखा दुकान के बीच न्यूनतम 3 मीटर की दूरी रखना अनिवार्य है। दुकानों का निर्माण अज्वलनशील सामग्री से किया जाना चाहिए। प्रत्येक दुकान में 5 किलोग्राम क्षमता का अग्निशामक यंत्र, दो बाल्टी रेत एवं दो बाल्टी पानी रखना जरूरी है। दुकानों में माचिस, लाइटर, मोमबत्ती तथा खुली आग का उपयोग प्रतिबंधित है। इसके साथ ही सुरक्षित विद्युत वायरिंग एवं आपात स्थिति में बिजली आपूर्ति बंद करने की व्यवस्था भी अनिवार्य की गई है। अनुज्ञप्तिधारी केवल अनुमत हरित पटाखों का ही विक्रय कर सकेंगे। प्रतिबंधित विदेशी पटाखों तथा निर्धारित ध्वनि मानकों से अधिक आवाज करने वाले पटाखों का भंडारण एवं विक्रय प्रतिबंधित रहेगा। पटाखों की बिक्री सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही की जा सकेगी। विक्रय स्थल से 50 मीटर की परिधि में आतिशबाजी का प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर भी प्रतिबंध रहेगा।

नियमों के उल्लंघन पर होगी वैधानिक कार्रवाई

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पटाखा विक्रय के लिए अनुज्ञप्ति प्राप्त होना सुरक्षा नियमों से छूट नहीं है। प्रत्येक विक्रेता को अनुज्ञप्ति में निर्धारित सभी शर्तों का पालन करना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन, प्रतिबंधित पटाखों का विक्रय अथवा जनसुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली गतिविधि पाए जाने पर विस्फोटक अधिनियम, 1884 एवं विस्फोटक नियम, 2008 के तहत अनुज्ञप्ति निलंबन अथवा निरस्तीकरण, सामग्री की जब्ती सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी पटाखा विक्रेताओं से निर्धारित स्थलों पर ही कारोबार करने तथा अग्नि सुरक्षा एवं अन्य निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की है,

दीपावली पर लोगों के घर रोशन करने आकर्षक दीये तैयार कर रही हैं स्व-सहायता समूह की महिलाएं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 6 नवम्बर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। शासन की मंशा के अनुरूप राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार और आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसका सकारात्मक उदाहरण रायगढ़ जिले में देखने को मिल रहा है, जहां दीपावली के अवसर पर स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं मिट्टी के आकर्षक दीये तैयार कर अपनी आय बढ़ाने में जुटी हैं। इन दीयों से जहां लोगों के घर-आंगन रोशन होंगे, वहीं महिलाओं को भी अतिरिक्त आमदनी का अवसर मिल रहा है।

रायगढ़ जिले के सात जनपदों के 125 स्व-सहायता समूहों से जुड़ी लगभग 400 महिलाएं दीपावली के लिए दीया निर्माण में जुटी हुई हैं। महिलाएं पारंपरिक मिट्टी के दीयों के साथ आधुनिक पसंद को ध्यान में रखते हुए विभिन्न आकार और रंगों के आकर्षक दीये तैयार कर रही हैं। अपने हुनर और रचनात्मकता से ये महिलाएं पारंपरिक कला को नया स्वरूप देने के साथ परिवार की आमदनी बढ़ाने में भी योगदान दे रही हैं। जिले की कुम्हार बहुल ग्राम पंचायतों में दीया निर्माण की यह पहल विशेष रूप से देखने को मिल रही है। खरसिया जनपद के मुरा, पुसौर जनपद के टपरदा, बरपाली और घुघुआ, घरघोड़ा जनपद के रुमकेरा, घरघोड़ी और पोरड़ा तथा धरमजयगढ़ जनपद के कापू और दुर्गापुर सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं इस कार्य में सक्रिय हैं। इस पहल से पारंपरिक मिट्टी कला को संरक्षण मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।

एक नजर

निरक्षरता के अंधकार को मिटाने कांकेर में होगा 'एक दीप साक्षरता का' अभियान

कांकेर, 6 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वर्ष 2026-27 में छत्तीसगढ़ राज्य को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रदेश भर में विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में निरक्षरता के अंधकार को दूर कर समाज में शिक्षा एवं साक्षरता के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से दीपावली महापर्व के अवसर पर 'एक दीप साक्षरता का' विशेष जन जागरूकता अभियान आयोजित किया जाएगा। यह अभियान दीपावली के ठीक एक दिन पूर्व संध्या को शाम 6.30 बजे से 7.30 बजे तक पूरे प्रदेश में संचालित किया जाएगा। अभियान के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता के जरिए प्रत्येक ग्राम में सर्वे एवं जनजागरूकता गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हुए असाक्षर व्यक्तियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक साक्षरता का संदेश पहुंचाना तथा सभी को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना है। इसी क्रम में कांकेर जिले के सभी शासकीय विद्यालयों, छात्रावासों, विकासखंड कार्यालयों एवं उल्लास साक्षरता केंद्रों में साक्षरता के दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके माध्यम से निरक्षरता रूपी अंधकार को समाप्त कर कांकेर जिले को पूर्ण साक्षर बनाने का संकल्प लिया जाएगा। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, प्राचार्यों तथा जिले के समस्त शैक्षणिक संस्थानों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के सभी प्रधान पाठकों को पत्र प्रेषित कर अपने-अपने संस्थानों में साक्षरता दीप प्रज्वलित करने तथा अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

महावीर निर्वाण दिवस पर रायपुर में मांस-मटन विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध

रायपुर 6 नवंबर। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार, आगामी 8 नवंबर 2026 (रविवार) को महावीर निर्वाण दिवस के अवसर पर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में मांस-मटन के विक्रय और पशु वध पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। निगम के स्वास्थ्य विभाग ने इस पावन पर्व पर शहर के सभी बूचड़खानों (पशुवध गृहों) और मांस-मटन की दुकानों को अनिवार्य रूप से बंद रखने का आदेश जारी किया है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के लिए सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों और स्वच्छता निरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी करने के आदेश दिए गए हैं। यदि 8 नवंबर को किसी होटल, दुकान या संस्थान में मांस-मटन का विक्रय या परोसना पाया जाता है, तो नगर निगम की टीम मौके पर ही सामग्री जप्त कर संबंधित व्यक्ति या संस्था के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी।

बकावंड के चार संकुल संगठनों को मिलीं मालवाहक व सवारी गाड़ियां

जगदलपुर, 6 नवंबर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत बस्तर अंचल की ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली है। बुधवार को विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक के भव्य मंच से बकावंड विकासखंड के चारों प्रमुख संकुल स्तरीय संगठनों को आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजनांतर्गत मालवाहक एवं सवारी वाहनों की सौगात दी गई। इस अवसर पर आयोजित वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय सांसद श्री महेश कश्यप ने अपने करकमलों से महिला क्लस्टर संगठनों की दीदियों को वाहनों की चाबियां सौंपी और उन्हें नए व्यवसाय के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि बिहान से जुड़ी दीदियों का दायरा अब केवल घर की चहारदीवारी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वे अब वाहन मालिक बनकर स्वयं परिवहन व्यवसाय का संचालन करने जा रही हैं।

बस्तर में बिहान दीदियों ने तैयार किए कार्यालयीन फाइल बस्ते, सरकारी दफ्तरों में होगी आपूर्ति

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता





जगदलपुर, 6 नवंबर। बस्तर जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण की एक नई और प्रेरक मिसाल देखने को मिल रही है, जहाँ ग्रामीण महिलाएं अपनी मेहनत और हुनर के दम पर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। विकासखण्ड जगदलपुर के ग्राम नेतानार स्थित शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा में संचालित सिलाई केंद्र की प्रशिक्षित दीदियों ने कार्यालयीन उपयोग के लिए कपड़े के मजबूत और आकर्षक फाइल बस्ते तैयार किए हैं। शुरुआती चरण में दीदियों द्वारा 100 नग फाइल बस्तों का प्रिंटेड सैंपल तैयार किया गया है, जिसकी गुणवत्ता और फिनिशिंग देखते ही बनती है।

योजना के तहत इन पर्यावरण-अनुकूल कपड़ा फाइल बस्तों की आपूर्ति जिले के सभी शासकीय विभागों एवं कार्यालयों में मांग के अनुरूप की जाएगी। इस पहल से जहाँ सरकारी दफ्तरों को स्थानीय स्तर पर ही उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री सहजता से उपलब्ध हो सकेगी, वहीं समूह से जुड़ी महिलाओं को अपने ही गांव में नियमित और स्थायी रोजगार का अवसर मिलेगा।

बिहान से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार की गैर-कृषि गतिविधियों से महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। कल तक जो दीदियां केवल बचत और छोटे ऋणों तक सीमित थीं, वे अब बाजार और कार्यालयीन आवश्यकताओं को समझते हुए स्वयं कुशल उद्यमी के रूप में उभर रही हैं। केंद्र में केवल फाइल बस्ते ही नहीं, बल्कि एप्रन और थैलों जैसे अन्य उत्पादों के ऑर्डर भी निरंतर मिल रहे हैं, जिससे पूरे वर्ष काम की निरंतरता बनी हुई है।

इस सार्थक प्रयास को संबल देने के लिए सीईओ जिला पंचायत बस्तर श्री तन्मय खन्ना ने जिले के समस्त शासकीय विभागों के अधिकारियों से अपील की है कि वे अपनी कार्यालयीन सामग्री की आवश्यकताओं में बिहान समूह द्वारा निर्मित इन फाइल बस्तों को प्राथमिकता दें, ताकि ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ावा मिले और स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भरता की यह मुहिम और अधिक मजबूत हो सके।

गोबर के दीयों से रोशन हो रही महिलाओं की आत्मनिर्भरता की राह

■ बिहान से जुड़कर सरगम उत्पादक समूह की 36 महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर, 'वोकल फॉर लोकल' को दे रहीं नई पहचान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



कांकेर 6 नवंबर। दीपावली के अवसर पर जब हर घर रोशनी से जगमगाने की तैयारी में है, तब जिले के चारामा विकासखंड के ग्राम भिलाई की महिलाएं अपने हाथों से तैयार प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल गोबर के दीयों से न केवल घरों को रोशन कर रही हैं, बल्कि अपनी आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह भी प्रकाशित कर रही हैं।

चारामा विकासखण्ड के ग्राम भिलाई के सरगम उत्पादक समूह, बिहान से जुड़कर स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का उत्कृष्ट उदाहरण बन रहा है। वर्ष 2016 में महज 10 महिलाओं से शुरू हुआ यह समूह आज 36 महिलाओं को आजीविका से जोड़ चुका है।

गोबर से तैयार होते हैं सुंदर और प्राकृतिक दीपक

समूह की महिलाएं गोबर से दीये तैयार करने की पूरी प्रक्रिया स्वयं करती हैं। गोबर को एकत्रित कर उसे अच्छी तरह तैयार किया जाता है और आवश्यक सामग्री के साथ मिश्रण बनाकर सांचों की सहायता से विभिन्न आकार के दीये तैयार किए जाते हैं। इसके बाद इन्हें सुखाया जाता है और बिक्री के लिए तैयार किया जाता है। प्राकृतिक सामग्री से बने ये दीये पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और स्थानीय हुनर की पहचान भी है। समूह की सदस्य श्रीमती सुभद्रा नागराज बताती हैं कि वर्ष 2022 में उन्हें गोबर के दीये बनाने की प्रेरणा मिली। पहले वर्ष महिलाओं ने करीब 10 हजार दीये तैयार किए, जिससे उन्हें लगभग 20 हजार रुपये का लाभ प्राप्त हुआ। इस सफलता ने महिलाओं का उत्साह बढ़ाया और धीरे-धीरे यह कार्य समूह की आय का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया।

इस वर्ष अब तक बिक चुके हैं 11 हजार से अधिक दीये

समूह की सदस्य श्रीमती ममता नागराज ने बताया कि इस वर्ष दीपावली के अवसर पर समूह द्वारा तैयार किए गए 11 हजार 400 गोबर के दीये अब तक बेचे जा चुके हैं। दीपावली को देखते हुए लगातार नए ऑर्डर भी मिल रहे हैं, जिसके कारण महिलाएं उत्पादन बढ़ाने में जुटी हुई हैं। वर्तमान में समूह की महिलाएं प्रतिदिन लगभग 500 दीये तैयार कर रही हैं। इन दीयों की बिक्री सी-मार्ट, स्थानीय हाट-बाजारों और अन्य स्थानों के माध्यम से की जा रही है। समूह को रायपुर से भी ऑर्डर मिलने की जानकारी मिली है, जिससे महिलाओं का उत्साह और बढ़ गया है। एक समूह, आजीविका के कई अवसर -सरगम उत्पादक समूह केवल गोबर के दीये ही नहीं बनाता, बल्कि महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों और अपनी मेहनत के बल पर आय के कई साधन विकसित किए हैं। समूह द्वारा आम का अमचूर पाउडर, इमली का संग्रहण एवं प्रसंस्करण, आम का अचार, राखी निर्माण और मशरूम उत्पादन जैसे कार्य भी किए जाते हैं। तैयार उत्पादों को स्थानीय बाजारों के साथ-साथ सी-मार्ट के माध्यम से भी बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

मशरूम उत्पादन से भी बढ़ी आय

समूह की महिलाओं ने मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में भी सफलता हासिल की है। महिलाओं ने लगभग 4 हजार रुपये की लागत से मशरूम उत्पादन किया और उसे 7 हजार रुपये में बेचकर करीब 3 हजार रुपये का लाभ अर्जित किया। कम समय में हुए इस लाभ को देखते हुए अब समूह की अन्य महिलाएं भी मशरूम उत्पादन से जुड़ने की तैयारी कर रही हैं। महिलाओं ने बताया कि बिहान के माध्यम से समूह को विभिन्न आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए बैंक से 02 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उन्हें 50 हजार रुपये का अनुदान भी मिला। शेष 01 लाख 50 हजार रुपये की राशि का भुगतान समूह द्वारा किश्तों के माध्यम से बैंक को किया जा रहा है। इस आर्थिक सहयोग ने महिलाओं को अपने कार्य का विस्तार करने और नए आजीविका अवसरों से जुड़ने में मदद की है। समूह से जुड़ी सविता निषाद, टीकेश्वरी विश्वकर्मा और चिलेश्वरी विश्वकर्मा सहित अन्य महिलाएं भी विभिन्न उत्पादों के निर्माण और विपणन का कार्य कर रही हैं।

रानी सौरभ जैन ने दी धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, गौरा-गौरी पर्व एवं भाईदूज की बधाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



तिल्दा-नेवरा 6 नवंबर। धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपरा के प्रतीक गौरा-गौरी पर्व एवं भाई दूज के पावन अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा तिल्दा-नेवरा शहर मंडल की अध्यक्ष एवं पार्षद वार्ड क्रमांक 21 श्रीमती रानी सौरभ जैन ने समस्त नगर एवं क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

इस अवसर पर श्रीमती रानी जैन ने कहा कि हमारे त्योहार केवल खुशियाँ मनाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ये हमारी संस्कृति, सभ्यता, धार्मिक आस्था और पारंपरिक विरासत के प्रतीक हैं। धनतेरस एवं दीपावली हमें सुख-समृद्धि, प्रकाश और सकारात्मकता का संदेश देते हैं। गोवर्धन पूजा प्रकृति एवं गौमाता के प्रति सम्मान का प्रतीक है, वहीं गौरा-गौरी पर्व हमारी छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति एवं परंपराओं की अनमोल पहचान है। भाई दूज का पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास के पवित्र रिश्ते को और मजबूत बनाता है।

उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग इन पावन पर्वों को पूरे उत्साह, उमंग एवं आपसी भाईचारे के साथ अपनी पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार मनाएँ तथा अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का संकल्प लें। साथ ही उन्होंने विशेष आग्रह किया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा एवं सावधानी का पूरा ध्यान रखें। दीपावली में दीप एवं पटाखों का उपयोग जिम्मेदारीपूर्वक करें, बच्चों एवं बुजुर्गों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें तथा सार्वजनिक स्थलों पर शांति और व्यवस्था बनाए रखें। कोई भी ऐसी लापरवाही न हो, जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना, अप्रिय घटना या अनहोनी घटित हो।

श्रीमती जैन ने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी है, जब हर परिवार सुरक्षित रहे और पूरा क्षेत्र हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाए। उन्होंने सभी से प्रेम, सद्भाव, सहयोग एवं सामाजिक एकता के साथ त्योहार मनाने की अपील की। अंत में उन्होंने ईश्वर से कामना की कि ये सभी पावन पर्व प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली लेकर आएँ।

समस्त नगर एवं क्षेत्रवासियों को पुनः धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, गौरा-गौरी पर्व एवं भाई दूज की हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएँ।

मेरा युवा भारत ने बस्तर के शासकीय पीजी कॉलेज में किया 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 6 नवंबर। युवा सहभागिता को प्रोत्साहित करने तथा युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत, बस्तर द्वारा शासकीय पीजी कॉलेज, जगदलपुर के सभागार में 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय अपने मत को जानें रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री महेश कश्यप उपस्थित रहे। साथ ही जगदलपुर महापौर श्री संजय पांडेय तथा शासकीय पीजी कॉलेज के प्राचार्य श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान युवा आइकॉन श्री चरण कमल सोनवानी द्वारा ' अपने मत को जाने ' विषय पर विशेष प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने युवाओं को मतदान के महत्व, मतदाता के अधिकारों एवं लोकतंत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी के प्रति जागरूक किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने जनप्रतिनिधियों के साथ सीधे संवाद किया तथा लोकतंत्र, निर्वाचन प्रक्रिया, युवाओं की भूमिका और क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे। जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा अपने मताधिकार का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं एवं विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने हेतु लोकतांत्रिक शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र के निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति हैं। लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं का जागरूक, जिम्मेदार एवं सक्रिय मतदाता होना आवश्यक है। ऐसे संवादात्मक कार्यक्रम युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का आयोजन मेरा युवा भारत, बस्तर द्वारा किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, विद्यार्थी, युवा स्वयंसेवक एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बस्तर के सखी वन स्टॉप सेंटर में सुरक्षा गार्ड पदों पर सीधी भर्ती 18 नवंबर को

जगदलपुर, 6 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभाग के अंतर्गत संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर में सेवा प्रदाता के रूप में सुरक्षा गार्ड/ नाइट गार्ड (महिला) के दो रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। इन पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन सीधे वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से किया जाएगा। इस पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8 वीं पास रखी गई है, तथा चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 11,360 रुपए (लेवल-1) का एकमुश्त मानदेय प्रदान किया जाएगा। इच्छुक और योग्य महिला अभ्यर्थी बुधवार 18 नवंबर को प्रातः 10 बजे आयोजित होने वाले वॉक-इन इंटरव्यू में सीधे सम्मिलित हो सकती हैं। अभ्यर्थियों को अपने साथ सभी मूल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अनुभव प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ-साथ उनकी एक सेट स्व-प्रमाणित छायाप्रति लाना अनिवार्य है।

डिजिटल क्रॉप सर्वे के सत्यापन और पारदर्शिता के लिए जिले में होंगी विशेष ग्राम सभाएं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 6 नवंबर । जुगल किशोर डंडौतिया जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत किए गए फसल सर्वेक्षण की जानकारी का सत्यापन करने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बड़ेबचेली द्वारा आदेश जारी कर ग्राम सभाओं के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाएं की गई हैं। शासन के निर्देशानुसार आयोजित होने वाली विशेष ग्राम सभाओं में डिजिटल क्रॉप सर्वे के अंतर्गत दर्ज फसलों की जानकारी ग्रामीणों एवं किसानों के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। इस दौरान सर्वेक्षण में दर्ज विवरणों पर चर्चा की जाएगी तथा किसानों एवं ग्रामीणों से प्राप्त आपत्तियों और त्रुटियों का परीक्षण कर उनका निराकरण किया जाएगा। इसका उद्देश्य फसल सर्वेक्षण से संबंधित अभिलेखों में आवश्यक सुधार कर किसानों को सही एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराना है।

शिक्षकों एवं प्राचार्यों को सौंपी गई जिम्मेदारी : ग्राम सभाओं के सफल आयोजन, पर्यवेक्षण एवं समन्वय के लिए बड़ेबचेली एवं कुआकोण्डा तहसील की संबंधित ग्राम पंचायतों और आश्रित ग्रामों में शिक्षकों एवं प्राचार्यों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं, ग्राम पंचायत सचिवों को ग्राम सभा की कार्यवाही का विवरण तैयार करने तथा आयोजन से संबंधित फोटोग्राफ्स सहित पालन प्रतिवेदन संबंधित तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे ग्राम सभा में अवश्य उपस्थित होकर अपने खेतों की फसल संबंधी जानकारी का सत्यापन करें, ताकि त्रुटि होने पर समय रहते सुधार हो सके।

सेक्टर स्तरीय बैडमिंटन स्पर्धा में 15 कालेजों के 80 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 6 नवंबर । जुगल किशोर डंडौतिया उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दंतेवाड़ा द्वारा आयोजित सेक्टर स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में 15 महाविद्यालयों के 80 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने



अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सुकमा, बीजापुर, जगदलपुर एवं दंतेवाड़ा क्षेत्र के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. रत्नाबाला मोहंती ने किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत दंतेवाड़ा की अध्यक्ष सुनीता भास्कर एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष राहुल असरानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामूहिक भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रतियोगिता के महिला एवं पुरुष वर्ग में खिलाड़ियों के बीच कड़े और रोमांचक मुकाबले हुए। पुरुष वर्ग में शासकीय महाविद्यालय आवापल्ली के रिंकु हेमला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शासकीय महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के विक्रम नाग द्वितीय तथा मेजबान शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के आदित्य नाग तृतीय स्थान पर रहे।

वहीं महिला वर्ग में शासकीय आवासीय कन्या महाविद्यालय की पुष्पलता दीवान ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगदलपुर की मनसा राव द्वितीय स्थान पर रहीं। विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को सहायक प्राध्यापक धारणा ठाकुर, रेशमा एक्का, डॉ. दिनेश कुमार लहरी, दुष्यंत तारम, बंशीधर चौहान एवं डॉ. अंजली मिंज ने पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चयनित खिलाड़ी अब सूरजपुर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में सेक्टर का प्रतिनिधित्व करेंगे।

20 हजार मिट्टी के दीये बनाकर लोकल फॉर वोकल की मिसाल बने जैतालुर के राजकुमार कुम्हार

बीजापुर, 6 नवंबर। दीपावली के पर्व पर बाजारों में जहां आधुनिक सजावटी सामान की चमक दिखाई दे रही है, वहीं ग्राम जैतालुर के कुम्हार राजकुमार अपनी पारंपरिक कारीगरी से मिट्टी के दीयों के जरिए घर-आंगन रोशन करने की तैयारी में जुटे हैं। उन्होंने इस वर्ष दीपावली के लिए करीब 20 हजार मिट्टी के दीयों का निर्माण किया है। उनका यह प्रयास स्थानीय कारीगरी, स्वदेशी उत्पादों और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन रहा है।

राजकुमार कुम्हार पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक कुम्हारी कला को जीवंत बनाए हुए हैं। मिट्टी को आकार देकर दीये बनाने के साथ वे मिट्टी के कुकर, कढ़ाई और विभिन्न प्रकार के उपयोगी बर्तन भी तैयार करते हैं। सीमित संसाधनों के बीच अपनी मेहनत और हुनर के दम पर वे स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार को बढ़ावा दे रहे हैं।

उनकी यह पहल केंद्र सरकार के 'लोकल फॉर वोकल' के संदेश को भी साकार करती है। स्थानीय



कारीगरों द्वारा तैयार मिट्टी के उत्पादों को अपनाने से न केवल पारंपरिक कला और संस्कृति को संरक्षण मिलता है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। दीपावली के अवसर पर राजकुमार कुम्हार ने लोगों से स्थानीय कारीगरों के बनाए मिट्टी के दीये खरीदने और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की है।

एक दीया, किसी कारीगर के घर की उम्मीद : मिट्टी का एक दीया सिर्फ अंधेरे को दूर कर रोशनी फैलाने का माध्यम नहीं, बल्कि किसी कारीगर की मेहनत, परंपरा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है। इस दीपावली स्थानीय कारीगरों के दीये खरीदकर उनके हुनर को सम्मान देने की पहल भी की जा सकती है।

रायपुर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई: जोन 6, 8 और 5 में अभियान चलाकर हटाई गई गंदगी, दिया स्वच्छता का संदेश

रायपुर 6 नवंबर। रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत शहर के विभिन्न वार्डों में गंदगी और मलबे से प्रभावित स्थानों (हॉट स्पॉट - स्वच्छता लक्षित इकाइयों) को चिह्नित कर सघन सफाई अभियान चलाया जा रहा है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री चंद्राकर एवं निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देशों पर सभी जोनों की स्वास्थ्य टीमों द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास जारी है। जोन 6 के अध्यक्ष श्री बद्री प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन, जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह और जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री आत्मानंद साहू की उपस्थिति में कई प्रमुख स्थानों पर सफाई की गई

वार्ड 61 (डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड) साबुन डबरा तालाब के पास फैले कचरे को साफ कराया गया। वार्ड 63 (शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड): आरडीए कॉलोनी, टिकरापारा क्षेत्र में जमा गंदगी और मलबा उठाया गया। वार्ड 65 (महामाया मंदिर वार्ड): मंदिर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर कचरा उठाया गया। जोन 8 (महादेवघाट रायपुरा): वार्ड क्रमांक 69 (माधवराव सप्रे वार्ड) स्थित महादेवघाट रायपुरा में फैली भारी गंदगी, कचरे और काई को विशेष टीम भेजकर साफ कराया गया। जोन 5 (पुरानी बस्ती): वार्ड क्रमांक 42 के अंतर्गत 'दूध धारी हटरी' (दुरी हटरी) पुरानी बस्ती और जगन्नाथ मंदिर के पास फैली गंदगी को साफ करवाकर स्वच्छता कायम की गई। नगर निगम की इस पहल से विभिन्न क्षेत्रों में कचरे के ढेरों को हटाकर नागरिकों को स्वच्छता का सकारात्मक और सुंदर संदेश दिया जा रहा है।

कांग्रेस का सट्टा सिंडिकेट बेनकाब : भाजपा

रायपुर, 6 नवम्बर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुनील चौधरी ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले में केंद्रीय जाँच एजेंसियों की त्वरित और निर्णायक कार्रवाई का स्वागत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तीखा हमला बोला है। चौधरी ने कहा कि तीन दिन के भीतर महादेव सट्टा एप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर के प्रत्यर्पण और अब सह-प्रमोटर रवि उप्पल की दुबई में गिरफ्तारी ने यह साफ कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसी भी भ्रष्टाचारी या आर्थिक अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।



भाजपा प्रदेश प्रवक्ता चौधरी ने कहा कि महादेव सट्टा एप घोटाले की एफआईआर में भूपेश बघेल स्वयं छठे नंबर पर नामजद आरोपी हैं। जो व्यक्ति खुद हजारों करोड़ रुपये के संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के इस काले कारोबार में संदिग्ध और आरोपी के रूप में जाँच के दायरे में है, वह आज जाँच एजेंसियों की निष्पक्ष प्रक्रिया पर सवाल उठाने का दुस्साहस कर रहा है। चोर मचाए शोर की तर्ज पर बघेल जनता का ध्यान भटकाने के लिए मनगढ़ंत बयानबाजी कर रहे हैं। चौधरी ने लुकआउट सर्कुलर को लेकर बघेल द्वारा उठाए जा रहे सवालों को उनकी प्रशासनिक अज्ञानता और हताशा का परिचायक बताया और कहा कि लुकआउट नोटिस तब जारी किया जाता है जब किसी आरोपी के अपराध करने के बाद देश छोड़कर विदेश भागने की आशंका होती है। बघेल यह भूल रहे हैं कि जब छत्तीसगढ़ में उनकी सरकार थी, तब उनके संरक्षण और प्रशासनिक शिथिलता के चलते ही इस सट्टा एप के सरगना आराम से देश छोड़कर विदेश भागने में सफल रहे थे। जो आरोपी पहले ही देश से बाहर भाग चुके थे, उनके लिए अब लुकआउट नोटिस जारी करने की मांग करना बघेल के राजनीतिक पाखण्ड और कानूनी समझ के खोखलेपन को उजागर करता है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के पाँच वर्षों के कुशासन में छत्तीसगढ़ को सट्टेबाजों और हवाला कारोबारियों की सुरक्षित शरणस्थली बना दिया गया था। नौकरशाहों और राजनेताओं तक करोड़ों रुपये का अवैध कमीशन पहुँचाया जाता था। अब जब सीबीआई और ईडी जैसी केन्द्रीय जाँच एजेंसियाँ विदेश में बैठे मुख्य सिंडिकेट ऑपरेटरों को एक-एक कर कानून के शिकंजे में ला रही हैं, तब कांग्रेस और भूपेश बघेल की जमीन खिसक चुकी है। चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार कानून के राज और पारदर्शी जाँच के लिए प्रतिबद्ध है।

इंडस टॉवर्स की नई पहल

रायपुर, 6 नवम्बर। इंडस टॉवर्स लिमिटेड, विश्व की एक सबसे बड़ी दूरसंचार अवसंरचना कंपनी, ने छत्तीसगढ़ के जशपुर में अपनी डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वैन की शुरुआत की है। यह पहल कंपनी के प्रमुख ष्टस्क्र कार्यक्रम 'सक्षम'के तहत चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत में डिजिटल विभाजन को पाटना है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर में आयोजित एक समारोह में डीटीवी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ राधेश्याम राठिया सांसद, रायगढ़, प्रबलप्रताप सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा, श्रीमती रयमुनी भगत विधायक, जशपुर, सालिक साय अध्यक्ष, जशपुर जिला पंचायत, रोहित व्यास, कलेक्टर एवं जिलाधिकारी, जशपुर जिला, लाल उमेद सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जशपुर, अभिषेक सिंह मुख्य कार्यकारी अधिकारी - जिलापंचायत, जशपुर, राजीव कुमार पांडे अतिरिक्त जिलाधिकारी, जशपुर, भरत सिंह जिलाअध्यक्ष, भाजपा तथा इंडस टॉवर्स के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय विकास में इस पहल की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, विष्णु देव साय ने कहा, हम छत्तीसगढ़ के सबसे दूरस्थ क्षेत्रों तक डिजिटल क्रांति का लाभ पहुँचाना सुनिश्चित करना चाहते हैं। जशपुर में इंडस टॉवर्स की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वैन का शुभारंभ हमारे ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को महत्वपूर्ण डिजिटल कौशल से सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

लोकतंत्र की मजबूती जागरूक नागरिकों और संवैधानिक मूल्यों के सम्मान में निहित: कल्पना

रायपुर, 6 नवम्बर। शासकीय कन्या महाविद्यालय बेमेतरा में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' विषय पर आयोजित विचार एवं संवाद कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय की छात्राओं एवं विद्यार्थियों से संवाद करते हुए लोकतंत्र के महत्व, संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं तथा नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों पर अपने विचार साझा किए। अपने संबोधन में कल्पना योगेश तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन चलाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के अधिकारों, सम्मान, समानता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आधार है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता में निहित होती है। एक मजबूत लोकतंत्र वही है, जहां हर नागरिक की आवाज सुनी जाए, विचारों का सम्मान हो और सभी को संविधान के दायरे में अपनी बात रखने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी विविधता और विचारों की



स्वतंत्रता है। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी स्वाभाविक विशेषता है। अलग-अलग विचार होना लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाता है, बशर्ते विचारों की अभिव्यक्ति संवाद, तर्क और संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप हो। मतभेद होने पर भी आपसी सम्मान और संवाद की भावना बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की रफ्तार जारी

रायपुर, 6 नवम्बर। भारत के मशहूर कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आज वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद, पिछले साल के मुकाबले अपनी सबसे ज्यादा ग्रोथ हासिल की है। यह लगातार दूसरी तिमाही है जब कंपनी ने डबल-डिजिट ग्रोथ दर्ज की है। इन नतीजों पर बात करते हुए, एलजीई इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, होंग जू जियोन ने कहा, हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमने लगातार दूसरी तिमाही में शानदार नतीजे दिए हैं, जिससे हमारी पहली छमाही भी बहुत मजबूत रही है। यह प्रदर्शन भारत की कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडस्ट्री की ताकत को दिखाता है। लोगों की बढ़ती आमदनी, प्रीमियम प्रोडक्ट्स की बढ़ती चाहत और शहरों से लेकर उभरते बाजारों तक पहुंच बढ़ने का फायदा इस इंडस्ट्री को मिल रहा है। एक लिस्टेड कंपनी के तौर पर एलजीई इंडिया का पहला साल पूरा हो रहा है, और यह प्रदर्शन हमारे शेयरधारकों के हम पर भरोसे और उनके लिए लंबे समय का फायदा बनाने के हमारे वादे को दिखाता है। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से आगे बढ़कर, हम तेजी से बदलते बी टू बी सेक्टर में भी अपने कदम बढ़ा रहे हैं और एक नए बी टू बी वर्टिकल, व्हीकल सॉल्यूशंस में एंट्री कर रहे हैं। हमारी तीन मुख्य रणनीतियां- मेक-इन-इंडिया, मेक-फॉर-इंडिया, और मेक-इंडिया-ग्लोबल- आगे भी घरेलू और एक्सपोर्ट बाजारों में हमारी ग्रोथ को रफ्तार देती रहेंगी।

अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल ने तोड़ा रिकॉर्ड

रायपुर, 6 नवम्बर। अमेज़न ने अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2026 में कई उपलब्धियां हासिल करने की घोषणा की। इस शॉपिंग इवेंट ने ग्राहकों की बचत, शॉपिंग वॉल्यूम, सेलर की सफलता और डिलीवरी स्पीड के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं – जिसने अब तक 393 करोड़ से अधिक ग्राहकों की विज़िट दर्ज की हैं। अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2026 ने लाखों ग्राहकों को ऐतिहासिक बचत प्रदान की है, जिसमें डील्स, इंस्टेंट बैंक डिस्काउंट, कैशबैक, अमेज़न पे रिवॉर्ड्स, मुफ्त प्राइम डिलीवरी और अन्य माध्यमों से 2,800 करोड़ रुपये से अधिक की बचत संभव हुई है, जिसने उत्सव की खरीदारी के दौरान ग्राहक मूल्य का एक नया पैमाना स्थापित किया है।

बिजनेस के लिए फेस्टिव डील्स

रायपुर, 6 नवम्बर। दिवाली के नज़दीक आने के साथ, बिज़नेस इस अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल में विभिन्न प्रोक्योरमेंट श्रेणियों में अमेज़न बिज़नेस पर आख़िरी पलों के डील्स का पूरा लाभ उठा सकते हैं। लैपटॉप, टेलीविज़न और एयर कंडीशनर से लेकर ऑफिस फ़र्नीचर, सप्लाइज़ और लाइटिंग तक, बिज़नेस ग्राहक एमआरपी पर 84% तक की छूट के साथ-साथ योग्य बल्क ख़रीद पर अतिरिक्त छूट भी पा सकते हैं।

हिंदवेयर की रायपुर में उपस्थिति

रायपुर, 6 नवम्बर। हिंदवेयर, भारत का अग्रणी बाथवेयर ब्रांड, ने रायपुर में दो नए विशेष गैलेरिया ब्रांड स्टोर के उद्घाटन के साथ छत्तीसगढ़ में अपनी रिटेल उपस्थिति को और सुदृढ़ किया है। अनुभव-आधारित रिटेल स्पेस वास्तविक अनुभव प्रदान करने वाला रिटेल स्थान) के रूप में डिज़ाइन किए गए ये नए ब्रांड स्टोर हिंदवेयर की सैनिटरीवेयर, नल, शावर और बाथरूम समाधानों की उत्पाद श्रृंखला को एक साथ प्रस्तुत करते हैं, जिससे उपभोक्ता, वास्तुकार और इंटीरियर डिज़ाइनर एक ही छत के नीचे विभिन्न डिज़ाइन, फ़िनिशिंग और कार्यक्षमता को देख-परख सकते हैं। स्टोर शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए, निरुपम सहाय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, हिंदवेयर, ने कहा, रायपुर मध्य भारत में एक प्रमुख शहरी और आर्थिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जहाँ आवासीय विकास, सुधरते बुनियादी ढाँचे और नया रायपुर सहित आसपास के क्षेत्र के विस्तार होम इंप्रूवमेंट सेक्टर के लिए नए अवसर उत्पन्न कर रहे हैं।

















कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26